www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 174 || लखनऊ
बुधवार
16 सितम्बर 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:52
सूर्यास्तः 06:10
अधिकतमः 32°00
न्यूनतमः 26°00

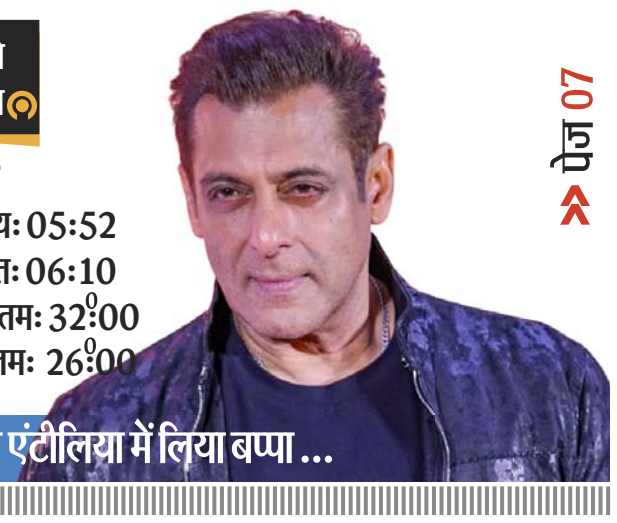

पेज 07

विशेष समाचार वसई की ऐतिहासिक और... >>पेज 04
7 घंटे में 14 करोड़ का सोना ... >>पेज 06
सलमान खान ने एंटीलिया में लिया बप्पा ...

छाता में एथेनॉल प्लांट लगाने का रास्ता साफ, गन्ने-मक्का-धान से होगा उत्पादन

योगी कैबिनेट ने 23 प्रस्तावों को दी मंजूरी

मुहर

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में प्रदेश के विकास और संगठनात्मक सुधारों से जुड़े 19 प्रस्तावों को हरी झंडी मिल गई है। इस बैठक में जहां पर्यटन क्षेत्र को मजबूत करने के लिए नई नियमावली को मंजूरी दी गई, वहीं अयोध्या में मंदिर संग्रहालय को हरी झंडी मिल गई है। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ पर्यटन सेवा नियमावली, 2025 को कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है। इस निर्णय से पर्यटन विभाग की प्रशासनिक संरचना मजबूत होगी और राज्य में पर्यटन गतिविधियों को तेजी से बढ़ावा मिलेगा। प्रत्येक मंडल मुख्यालय पर 'जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र' (DDRC) की स्थापना के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है। सरकार ने पर्यटन विभाग में संरचनात्मक सुधार की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। विभाग में व्यापक संरचनात्मक सुधार करते हुए उत्तर प्रदेश अधीनस्थ पर्यटन सेवा नियमावली-2025 लाई गई है। नई नियमावली के तहत पर्यटन अधीनस्थ सेवा सम्वर्ग में प्रकाशन अधिकारी, अपर जिला पर्यटन अधिकारी तथा पर्यटन सूचना अधिकारी के पद अब सीधी भर्ती तथा पदोन्नति दोनों माध्यमों से भरे जाएंगे। इससे जुड़े पर्यटन विभाग के प्रस्ताव को सोमवार को हुई राज्य कैबिनेट की बैठक में मंजूरी मिल गई।

>> (शेष पेज 06 पर)

राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेने की अवधि ड्यूटी का हिस्सा होगी

उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य के अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ियों को बड़ी राहत देते हुए स्पष्ट कर दिया है कि अब वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं, ट्रेनिंग कैंपों और संबंधित गतिविधियों में शामिल होने की पूरी अवधि, आवागमन के समय सहित 'ड्यूटी' मानी जाएगी। कैबिनेट की बैठक के बाद वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि अब तक 'अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता सीधी भर्ती नियमावली-2022' में ऐसी कोई स्पष्ट व्यवस्था नहीं थी।

जल और वायु प्रदूषण की एनओसी लेना होगा महंगा, नवीनीकरण भी

प्रदेश में उद्योग लगाने वालों, टाउनशिप तैयार करने वालों और शहरी निकायों द्वारा चलाए जा रहे सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों (एसटीपी) के लिए जल व वायु प्रदूषण का अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) लेना और उनका नवीनीकरण करवाना महंगा होगा। मंगलवार को योगी कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश जल (मल और व्यावसायिक बहिस्राव निस्तारण के लिए सहमति) (तृतीय संशोधन) नियमावली, 2025 और उत्तर प्रदेश वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) (चतुर्थ संशोधन) नियमावली, 2025 को मंजूरी दे दी। वर्ष 2008 के बाद अब दरों में इजाफा किया जा रहा है। प्रदूषण के स्तर, उद्योगों में पूंजी निवेश की रकम और आदि के मुताबिक दरों को कई श्रेणियों में बांटा गया है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि यह परियोजना सार्वजनिक-निजी सहभागिता (पीपीपी) मोड के माध्यम से विकसित और संचालित की जाएगी। यह केंद्र योग, प्राकृतिक उपचार और वेलनेस टूरिज्म को बढ़ावा देगा।

इस संबंध में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि नई नियमावली के लागू होने से पूर्व के सभी नियम, आदेश तथा दिशा-निर्देश अवक्रमित हो गए हैं। विभाग के अनुसार, प्रकाशन अधिकारी के पदों के लिए उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा जबकि पर्यटन सूचना अधिकारी के पदों की भर्ती उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के द्वारा की जाएगी।

बागपत में विकसित होगा अंतरराष्ट्रीय योग एवं आरोग्य केंद्र

प्रदेश सरकार का फोकस योग और आरोग्य के साथ ही वेलनेस टूरिज्म को बढ़ावा देने पर भी है। विश्व स्तर पर भी वर्तमान समय में वेलनेस टूरिज्म की अवधारणा तेजी से लोकप्रिय हो रही है। तहसील-बागपत स्थित 70.885 हेक्टेयर भूमि पर एक अंतर्राष्ट्रीय योग एवं आरोग्य केंद्र विकसित करने का फैसला किया है।

राजपाल यादव एक्टिंग में माहिर, भरोसा करना मुश्किल : सीजेआई

मुंबई। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक्टर राजपाल यादव को चेक बाउंस मामले में 2 करोड़ रुपए जमा करने के लिए आखिरी बार 2 हफ्ते का समय दिया है।

यह रकम सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री में जमा करनी होगी।

कोर्ट ने अभिनेता को अपना पासपोर्ट सरेंडर करने का भी आदेश दिया है। कोर्ट ने उनके पुराने रवैये को देखते हुए भरोसा जताने में भी संदेह जाहिर किया। CJI सूर्यकांत ने कहा, 'उनके पुराने रवैये को देखते हुए।

कोई उन पर भरोसा कैसे कर सकता है? वे बॉलीवुड में ड्रामा और एक्टिंग करने में माहिर हैं। कोर्ट में भी वही कर रहे हैं। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने राजपाल यादव को अगली सुनवाई तक गिरफ्तारी से मिली राहत जारी रखी है। अगली सुनवाई 5 अक्टूबर को होगी।

दो हज़ार रुपये से अधिक की इस यूपीआई पेमेंट पर लगेगा चार्ज

किसी भी ट्रांजेक्शन पर ₹300 से ज्यादा नहीं ले सकेंगे

जानकारी

नियम 15 अक्टूबर से लागू

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। UPI पेमेंट पर चार्ज लगाए जाने को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच वित्त मंत्रालय ने स्थिति स्पष्ट कर दी है। 2,000 रुपये तक के UPI पेमेंट पर ग्राहक और कारोबारी, दोनों से किसी तरह का शुल्क नहीं लिया जाएगा। वहीं 2,000 रुपये से अधिक के कुछ लेनदेन पर शुल्क लगाए जाने की व्यवस्था को लेकर जानकारी सामने आई है। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत 2,000 रुपये से अधिक के पेमेंट पर 0.4 प्रतिशत तक शुल्क लगने की बात कही गई है।

>> (शेष पेज 06 पर)

एनपीसीआई ने बयान में बताया है कि इस ढांचे के तहत 2,000 रुपये से कम के 95% से कम मूल्य वाले यूपीआई लेनदेन और छोटे व्यापारियों के लेनदेन (पी2पीएम) को पूरी तरह से मुफ्त रखा गया है, और छोटे व्यापारियों के बीच यूपीआई स्वीकार्यता के विस्तार का समर्थन करने के लिए एक नए फंड का प्रस्ताव किया गया है.

यात्रियों ने चोर-चोर के नारे लगाए, एयरलाइन का समय पर उड़ान का रिकॉर्ड सबसे खराब

दिल्ली और दुबई स्पाइसजेट की 2 फ्लाइट 24 घंटे लेट

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। स्पाइसजेट की दिल्ली से दुबई जाने वाली दो फ्लाइट 24 घंटे से ज्यादा लेट हो गईं। देरी से परेशान करीब 200 यात्रियों ने मंगलवार को दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 के अंदर जमीन पर बैठकर प्रदर्शन किया। एयरलाइन चोर है के नारे लगाए।

स्पाइसजेट बोली- एक विमान ग्राउंडेड होने से बढ़ी परेशानी

स्पाइसजेट के मुताबिक, एक विमान ग्राउंडेड होने के बाद ऑपरेशनल कारणों से दोनों फ्लाइट में देरी हुई। एयरलाइन ने प्रभावित यात्रियों को दूसरी फ्लाइट से भेजने की व्यवस्था शुरू की है। फ्लाइट ग्राउंडेड होने का मतलब है कि विमान को उड़ान भरने से रोक दिया गया है। ऐसा आमतौर पर तकनीकी खराबी, सुरक्षा कारणों या किसी आधिकारिक आदेश की वजह से होता है।

एयरलाइन ने घटना को लेकर यात्रियों से माफी मांगी। स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने कहा कि पैसेंजर्स को जल्द से जल्द दूसरी फ्लाइठ से दुबई पहुंचाने की कोशिश की जा रही है।

फास्ट न्यूज

सीआरपीएफ कोबरा यूनिट की पहली महिला आईजी बनीं संजुक्ता

2006 बैच की IPS अधिकारी संजुक्ता पाराशर को CRPF की कोबरा (CoBRA) यूनिट का IG नियुक्त किया गया। CoBRA का पूरा नाम कमांडो बटालियन फॉर रिजॉल्यूट एक्शन है। वह इस पद पर पहुंचने वाली पहली महिला अधिकारी हैं। CRPF मुख्यालय ने पिछले हफ्ते उनकी नियुक्ति का आदेश जारी किया था।

मेटा बच्चों से जुड़े यौन शोषण मामलों की जानकारी देगा

नई दिल्ली। टेक कंपनी Meta ने बच्चों के यौन शोषण और उनकी सुरक्षा से जुड़े दूसरे मामलों की जानकारी देने पर सहमति जताई है। यह जानकारी संबंधित कानून प्रवर्तन एजेंसियों को दी जाएगी। सरकारी सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह सहमति केंद्र सरकार और Meta की ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर हानिकारक कंटेंट पर रोक लगाने को लेकर जारी बातचीत में बनी है। सरकारी सूत्रों ने कहा कि भारत में काम करने वाले किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा जरूरी है। इस मामले में कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

केदारनाथ यात्रा फिर शुरू, बिना हेलमेट एंट्री नहीं

उत्तराखंड। केदारनाथ यात्रा फिर से शुरू हो गई है। चीरवासा के पास क्षतिग्रस्त रास्ते से अब 200-200 यात्रियों को सुरक्षित आगे भेजा जा रहा है। यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए बिना हेलमेट किसी को भी आगे जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। चीरवासा में करीब 100 मीटर का क्षेत्र डेंजर जोन में आता है। यहां कभी भी लैंडस्लाइड होने का खतरा बना हुआ है।

अगरतला से दिल्ली जा रही इंडिगो फ्लाइट में धुआं

पायलट के संदेह पर अलर्ट जारी, लखनऊ डायवर्ट, प्लेन में 109 यात्री सवार थे

मुहर

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/लखनऊ। अगरतला से दिल्ली जा रही इंडिगो की फ्लाइट को मंगलवार को लखनऊ डायवर्ट किया गया। प्लेन के कार्गो सेक्शन में धुआं दिखाई देने की खबर के बाद अलर्ट जारी किया गया था। फ्लाइट में 109 लोग सवार थे। दरअसल, फ्लाइट के दौरान पायलट को कार्गो सेक्शन में आग लगने का संदेह हुआ। इसके बाद उसने एहतियातन लखनऊ एयरपोर्ट पर लैंडिंग करने का फैसला किया। हालांकि, प्लेन में आग लगने की आशंका गलत साबित हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शाम 6:29 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर इमरजेंसी की

घोषणा की गई। इंडिगो का प्लेन शाम 6:31 बजे लखनऊ एयरपोर्ट के रनवे पर उतरा। शाम 6:33 बजे लैंडिंग बे में पहुंचा और शाम 6:35 बजे यात्रियों को उतारा गया। शाम 6:39 बजे आग लगने की खबर गलत निकली। बाद में आपातकाल वापस ले लिया गया। शाम 6:33 बजे लैंडिंग बे में पहुंचा और शाम 6:35 बजे यात्रियों को उतारा गया। शाम 6:39 बजे आग लगने की खबर गलत निकली। बाद में आपातकाल वापस ले लिया गया।

शुभेंदु अधिकारी के पीए की मां नंदीग्राम से उम्मीदवार

कोलकाता। भाजपा ने पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम और रेजीनगर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए हैं।

पार्टी ने नंदीग्राम से हसीरानी रथ और रेजीनगर से शाश्वर सरकार को टिकट दिया है।

हसीरानी रथ CM शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की मां हैं। 6 मई की देर रात मध्यमग्राम के पास चंद्रनाथ को गोली मार दी गई थी। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां बाद में उनकी मौत हो गई।

इस साल अप्रैल-मई में हुए बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 207 सीटें जीती थीं। तृणमूल कांग्रेस को 80 और कांग्रेस को 2 सीटें मिली थीं। इन नतीजों के बाद ममता बनर्जी 15 साल बाद सत्ता से बाहर हो गईं।

एनडीए के 3 सहयोगी दलों ने यूसीसी का समर्थन किया

बिहार में जेडीयू का विरोध, शाह बोले थे- 2029 तक 21 राज्यों में यूसीसी लागू होगा

मुहर

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। NDA के 3 सहयोगी दल तेलुगु देशम पार्टी, शिंदे गुट की शिवसेना और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा ने समान नागरिक संहिता (UCC) के समर्थन की बात कही है। वहीं, बिहार में जनता दल (यूनाइटेड) ने कहा कि वह राज्य में UCC लागू नहीं होने देगा। दरअसल, गृह मंत्री अमित शाह ने 13 सितंबर को कहा था कि 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले BJP-NDA शासित 21 राज्यों में UCC

लागू कर दिया जाएगा। फिलहाल देश में 22 राज्यों में NDA की सरकार है। इनमें उत्तराखंड में जनवरी 2025 से UCC लागू है। यानी बाकी 21 राज्यों में इसे लागू करने का लक्ष्य है। गुजरात, असम और मध्य प्रदेश में UCC बिल पास हो चुका है।

>> (शेष पेज 06 पर)

जेडीयू बोला- देश में समर्थन, बिहार में लागू नहीं होने देंगे

JDU नेता श्याम रजक ने कहा कि पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर UCC का समर्थन करती है, लेकिन बिहार में इसे लागू नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि JDU अपने इस रुख पर कायम है। इसको लेकर JDU नेता संजय झा अमित शाह से मुलाकात करेंगे। वहीं, बंगाल भाजपा अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने कहा कि राज्य में UCC लागू करने की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी।

लिखा- प्रशस्त पुण्य पंथ है, बढ़े चलो बढ़े चलो

यूपी की आईएएस दिव्या मित्तल का इस्तीफा मंजूर

स्वीकृत

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी कैडर की IAS अधिकारी दिव्या मित्तल का इस्तीफा केंद्र सरकार ने स्वीकार कर लिया है। उन्होंने 30 अगस्त को व्यक्तिगत कारणों, पारिवारिक प्राथमिकताओं और जीवन के नए लक्ष्यों का हवाला देते हुए सेवा से इस्तीफा दिया था।

मई में दिव्या मित्तल को देवरिया के जिलाधिकारी पद से हटाकर राजस्व विभाग में विशेष सचिव बनाया गया था। सोमवार रात करीब 11 बजे उन्होंने X पर पोस्ट

कर इस्तीफा स्वीकार किए जाने की जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने कवि जयशंकर प्रसाद के नाटक चंद्रगुप्त की पंक्ति लिखी- "प्रशस्त पुण्य पंथ है, बढ़े चलो, बढ़े चलो।" दिव्या के पति गगनदीप सिंह का परिवार पंजाब के बठिंडा जिले के गिद्दड़बाहा का रहने वाला है। उन्होंने 1998 से 2002 तक IIT दिल्ली से केमिकल इंजीनियरिंग में बीटेक किया। इसके बाद 2003 से 2005 तक IIM बैंगलोर से मैनेजमेंट की पढ़ाई की। गगनदीप ने 2010 में पहले ही प्रयास में UPSC पास किया था। उन्हें इंडियन ट्रेड सर्विस मिली थी। चार साल पहले, 2022 में उन्होंने वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में संयुक्त महानिदेशक के पद से इस्तीफा दिया था।

लंदन में नौकरी छोड़कर सिविल सर्विस में आई थीं दिव्या

दिव्या मूलरूप से हरियाणा के रेवाड़ी की रहने वाली हैं। IIT-IIM से पढ़ाई के बाद लंदन में नौकरी की। यहीं गगनदीप सिंह से उनकी मुलाकात हुई। दोनों ने लव-मैरिज की। हालांकि, कुछ सालों बाद पति-पत्नी लंदन की नौकरी छोड़ भारत लौट आए।

दिव्या UPSC की तैयारी में जुट गईं। उन्होंने बिना कोचिंग पहले प्रयास में IPS क्लियर किया। उन्हें गुजरात कैडर मिला। IPS की ट्रेनिंग के दौरान भी दिव्या ने IAS की तैयारी जारी रखी। अगले ही साल 2013 में उनका IAS में सिलेक्शन हो गया।

15 दिन पहले नौकरी छोड़ी थी

दिव्या की नौकरी अभी 17 साल बची थी

2013 बैच की दिव्या 13 साल से नौकरी कर रही थीं। अभी उनकी 17 साल की नौकरी बची थी। IIT दिल्ली से बीटेक और IIM बेंगलुरु से एमबीए की डिग्री लेने के बाद लंदन में नौकरी की। लाखों रुपए की नौकरी छोड़कर वह वापस आईं। दो साल में दो बार UPSC क्लियर किया। पहली बार में IPS बनीं। फिर अगले साल IAS बन गईं। दिव्या के पति गगनदीप सिंह भी 2011 बैच के भारतीय व्यापार सेवा (ITS) अफसर हैं। 2022 में वह भी अपने पद से इस्तीफा दे चुके हैं। गगनदीप ने अपनी एक कंपनी 'न्यूरोकैप' बनाई है। यह कंपनी देश-विदेश से ट्रेडिंग का काम करती है। दिव्या मित्तल मिर्जापुर, बस्ती और देवरिया की डीएम रह चुकी हैं। बेहद सख्त छवि की मानी जाती हैं। अफसरों को मौके पर ही फटकार लगा देती थीं। 4 महीने पहले ही देवरिया से उनका ट्रांसफर लखनऊ हुआ था।

अमेरिका ने लाल सागर में अपना वॉरशिप आईजनहॉवर तैनात किया है।

रोहिणी बेटी मायावती से लाख गुना अच्छी : करणी सेना अध्यक्ष

इसे चंद्रशेखर के खिलाफ नगीना से चुनाव लड़ाएंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में मंगलवार को करणी सेना अध्यक्ष ने सांसद चंद्रशेखर की पूर्व गर्लफ्रेंड रोहिणी घावरी को लेकर बड़ा बयान दिया। सूरज पाल सिंह अम्मू ने कहा- मेरी बेटी (रोहिणी घावरी) मायावती से लाख गुना अच्छी है और पढ़ी-लिखी है। हम रोहिणी को नगीना से सांसद का चुनाव लड़ाएंगे।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में करणी सेना ने स्वाभिमान संकल्प कार्यक्रम में रोहिणी घावरी भी पहुंची थीं। रोहिणी ने कहा- युवा आरक्षण में वर्गीकरण चाहता है। अगर सरकार ने हमारी बात नहीं मानी तो हम सरकार बदल देंगे। जिस तरह के नियम लाए जा रहे हैं, उनसे समाज में बंटवारा हो रहा है। हम बंटवारा बिल्कुल नहीं चाहते।

राम मंदिर विश्व हिंदू परिषद और RSS का ही नहीं है। मंदिर के लिए हमने भी संघर्ष किया है, हमने भी चंदा दिया है। इसलिए राम मंदिर के हिसाब का अधिकार हमें भी है। हम चाहते हैं कि देश में जाति-पाति की राजनीति न हो। अखिलेश जी, परिवारवाद से बाहर आइए। हम गरीबों की लड़ाई लड़ रहे हैं। आरक्षण से हमारी कोई लड़ाई नहीं। हम चाहते हैं कि आरक्षण ब्राह्मण, बनिया और हर गरीब को मिले। न्याय चाहिए बेटी के लिए, आरक्षण चाहिए गरीब के लिए और UJC को रोलबैक किया जाए। पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा- पहले हमारे दिल की बात सुनो, हम आपकी मन की बात सुनेंगे। जब हम गरीब ब्राह्मण की बात नहीं सुनते, गरीब बनिया की बात नहीं सुनते, किसी गरीब की बात नहीं सुनते तो हम आपकी बात कैसे सुनें?"

फास्ट न्यूज

गोमती नगर में भंडारे का आयोजन

लखनऊ । लखनऊ के गोमती नगर स्थित विजयंत खंड में मंगलवार को संस प्राइवेट लिमिटेड आशीर्वाद एवं कंपनी की ओर से भंडारे का आयोजन किया गया।

आयोजक अरुण कुमार सिंह ने बताया कि दोपहर 12 बजे शुरू हुआ भंडारा शाम 7 बजे तक चला। इसमें शहर के 2000 से अधिक लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। उद्योग, व्यवसाय और खेल जगत से जुड़े 200 से अधिक लोग भी मौजूद रहे।

केजीएमयू में कर्मचारियों का प्रदर्शन

लखनऊ। लखनऊ के किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में मंगलवार को कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। कर्मचारी परिषद के बैनर तले कर्मचारियों ने कुलसचिव को हटाने समेत 8 सूत्रीय मांगों को लेकर नारेबाजी की। प्रदर्शन की शुरुआत सीबी हॉस्टल से हुई। इसके बाद कर्मचारी न्यूरो सर्जरी, प्लास्टिक सर्जरी और नेत्र विभाग होते हुए प्रशासनिक भवन और VC कार्यालय तक पहुंचे। इस दौरान कर्मचारियों की KGMU प्रवक्ता केके सिंह से बहस भी हुई। कर्मचारियों ने कहा कि उनकी मांगों पर सुनवाई नहीं हो रही थी, इसलिए उन्हें सड़क पर उतरकर प्रदर्शन करना पड़ा।

जन्माष्टमी के फूल प्रवाहित करने गया युवक नदी में डूबा

लखनऊ । लखनऊ में जन्माष्टमी के फूल सई नदी में प्रवाहित करने गया युवक डूब गया। दो दिन तक उसकी तलाश के बाद मंगलवार को परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। जानकारी के अनुसार, शनिवार को जन्माष्टमी का त्योहार था। रविवार सुबह करीब 11 बजे भौकापुर के रामगढ़ी गांव निवासी संदीप (29) कुछ ग्रामीणों के साथ सई नदी में फूल प्रवाहित करने गया था।

हज-2027 के चयनित यात्रियों की मेडिकल स्क्रीनिंग एवं फिटनेस

तमसा संकेत, संवाददाता

प्रमाण-पत्र 30 सितंबर तक वेबसाइट पर अपलोड करना अनिवार्य

लखनऊ। हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा सर्कुलर-13 दिनांक 15 सितंबर, 2026 जारी कर हज-2027 के चयनित हज यात्रियों की मेडिकल स्क्रीनिंग एवं फिटनेस के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इसके तहत चयनित हज यात्रियों को प्रथम चरण में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रारूप पर सरकारी चिकित्सा केन्द्रों में जांच कराकर एलोपैथिक पद्धति के चिकित्सक से मेडिकल स्क्रीनिंग एवं फिटनेस प्रमाण-पत्र प्राप्त करना होगा। इसके साथ अग्रिम जमा धनराशि की रसीद एवं अन्य आवश्यक प्रपत्र हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट hajcommittee.gov.in पर 30 सितंबर, 2026 तक अपलोड किए जाने हैं। वेबसाइट पर अपलोड करने में असमर्थ यात्री अपने दस्तावेज उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति कार्यालय में 01 अक्टूबर, 2026 तक जमा कर सकते हैं। उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति के सचिव/कार्यपालक अधिकारी मोहम्मद तारिक ने बताया कि एनआरआई (प्रवासी भारतीय), जो अन्य देशों में निवास कर रहे हैं, उनके लिए निर्देशित किया गया है कि वे जिस देश में रह रहे हैं, वहीं के सरकारी चिकित्सालय में मेडिकल स्क्रीनिंग कराकर संबंधित रिपोर्ट हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट पर प्रेषित/अपलोड करें। प्रदेश के सभी जनपदों के मुख्य चिकित्साधिकारियों को भी हज यात्रियों की मेडिकल स्क्रीनिंग एवं फिटनेस प्रमाण-पत्र जारी किए जाने के संबंध में आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने चयनित हज यात्रियों से अपील की है कि वे प्रथम चरण की मेडिकल स्क्रीनिंग एवं फिटनेस की प्रक्रिया निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण कर प्रमाण-पत्र एवं जांच रिपोर्ट सुरक्षित रखें।

लखनऊ में इंडिगो विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

सरोजनी नगर, लखनऊ। अगरतला से दिल्ली जा रही इंडिगो की फ्लाइट में मंगलवार शाम कार्गो एरिया में अचानक स्मोक वार्निंग का संकेत मिला। इससे विमान में हड़कंप मच गया। पायलट ने तुरंत लखनऊ एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ATC) से संपर्क कर इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति मांगी। अनुमति मिलने के बाद विमान को लखनऊ एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतार लिया गया। इंडिगो की फ्लाइट 6E6504 अगरतला से शाम करीब 4:30 बजे दिल्ली के लिए रवाना हुई थी। उड़ान के दौरान कार्गो क्षेत्र में स्मोक वार्निंग का संकेत मिलने पर पायलट ने विमान को लखनऊ डायवर्ट करने का फैसला किया। फ्लाइट शाम 6:29 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंड हुई। विमान में 103 यात्री और 6 क्रू सदस्य सवार थे। इमरजेंसी लैंडिंग की सूचना मिलते ही लखनऊ एयरपोर्ट पर इमरजेंसी रिस्पॉन्स प्रोटोकॉल सक्रिय कर दिया गया। फायर एंड रेस्क्यू, एंबुलेंस, मेडिकल, सुरक्षा और टर्मिनल सपोर्ट टीमें तैनात कर दी गईं।

योगी सरकार की पहल से बुनकर परिवारों को मिलेगा स्थायी बाजार और रोजगार

बुनकरों के हुनर को मिलेगा सरकारी बाजार

- अस्पतालों में गूंजेगी हथकरघे की पहचान
- सरकारी अस्पतालों में बेडशीट, तकिया कवर और गॉज बैंडेज की होगी आपूर्ति
- मंत्री राकेश सचान ने कार्ययोजना जल्द अंतिम रूप देने के दिए निर्देश
- गुणवत्ता, निर्धारित मानक और समयबद्ध आपूर्ति पर विशेष जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश की योगी सरकार हथकरघा क्षेत्र को मजबूत करने और बुनकरों को उनके उत्पादों के लिए

स्थायी बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल कर रही है। अब सरकारी अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों और अन्य चिकित्सा संस्थानों में इस्तेमाल होने वाले हथकरघा निर्मित उत्पादों की खरीद के जरिए प्रदेश के बुनकरों को बड़ा और सुनिश्चित बाजार उपलब्ध कराने की तैयारी है। इससे सरकारी संस्थानों की जरूरतें पूरी होने के साथ बुनकर परिवारों को नियमित रोजगार और आर्थिक मजबूती मिलने का रास्ता तैयार होगा। मंगलवार को खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, तिलक मार्ग, डालीबाग स्थित सभाकक्ष में खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग मंत्री राकेश सचान की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग में प्रयुक्त होने वाले हथकरघा उत्पादों की खरीद एवं आपूर्ति व्यवस्था को लेकर समीक्षा बैठक हुई। बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के अनुपालन में सरकारी चिकित्सा संस्थानों में हथकरघा निर्मित बेडशीट और गॉज बैंडेज की खरीद एवं आपूर्ति सुनिश्चित करने की कार्ययोजना पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। मंत्री राकेश सचान ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आपूर्ति व्यवस्था को शीघ्र अंतिम रूप दिया जाए। सरकार का उद्देश्य सरकारी खरीद को केवल सामान की खरीद तक सीमित रखना नहीं, बल्कि इसके माध्यम से बुनकर परिवारों को निरंतर रोजगार, स्थायी बाजार और आर्थिक मजबूती देना है।

गुणवत्ता और समयबद्ध आपूर्ति पर जोर

मंत्री ने निर्देश दिए कि चिकित्सा संस्थानों को उपलब्ध कराए जाने वाले उत्पाद निर्धारित मानकों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता वाले होने चाहिए। इसके साथ ही प्राथमिकता के आधार पर अंतिम रूप देने और आवश्यक दिशा-निर्देश शीघ्र जारी करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख सचिव हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग अनिल सागर, विशेष सचिव शेषमणि पांडेय, संयुक्त आयुक्त पीसी ठाकुर सहित चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

प्रदेश भर में चलायेगा सघन जागरूकता एवं टीकाकरण अभियान

अभियान के दौरान पशुचिकित्सकों की विशेष टीमें गांव-गांव पहुंचेगी

- बीमारियों से बचाव एवं योजनाओं की देंगे जानकारी लम्पी स्किन डिसीज से बचाव के लिए विशेष सघन टीकाकरण अभियान भी संचालित

तमसा संकेत, एजेंसी

पशुओं में नस्ल सुधार हेतु कृत्रिम गर्भाधान, पशुओं की इयर टैगिंग तथा पशुओं में स्वदेशी नस्लों का संवर्धन एवं निराश्रित गोवंश का संवर्धन एवं गौशालाओं को स्वावलंबी बनाने हेतु प्रशिक्षण एवं प्रचार-प्रसार एवं शासन की विभिन्न हितकारी योजनाओं का लाभ सीधे पशुपालकों तक पहुंचाया जायेगा।

लखनऊ । पशुपालन विभाग ''आपके द्वार'' पहल के तहत सेवा संकल्प अभियान 2026 (17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक) के दौरान प्रदेश भर में सघन जन जागरूकता व टीकाकरण का विशेष अभियान संचालित करेगा। इस दौरान पशुचिकित्सकों की विशेष टीमें गांव-गांव पहुंच कर पशुओं का टीकाकरण करेंगी और उनके द्वारा बीमारियों से बचाव हेतु पशु स्वास्थ्य परीक्षण के साथ जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा और विभागीय योजनाओं की जानकारी दी जायेगी। साथ ही लम्पी स्किन डिसीज से बचाव के लिए विशेष सघन टीकाकरण अभियान भी चलाया जायेगा। सभी पशुपालक अपने निकटतम पशु चिकित्सा शिविरों/पशु-चिकित्सालाओं में पहुंचकर इन सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ उठा सकते हैं तथा किसी भी समस्या एंव समाधान हेतु टोल फ्री नं0 1962 तथा 1800-180-5141 पर संपर्क कर सकते हैं। पशुपालन विभाग के निदेशक (रोग नियंत्रण एवं प्रक्षेत्र) डा0 राजेन्द्र प्रसाद ने यह जानकारी देते हुए बताया कि सेवा संकल्प अभियान के दौरान संक्रामक बीमारियों से बचाव व जन जागरूकता के लिए पशुपालकों को पशुओं में फैलने वाली संक्रामक बीमारियों के प्रति जागरूक किया जायेगा तथा संबंधित बीमारियों के लिए औषधि एवं प्रचार-प्रसार सामग्री का निःशुल्क वितरण भी किया जायेगा। इस दौरान पशु रोग नियंत्रण हेतु बड़े स्तर पर सघन टीकाकरण कार्यक्रम चलाया जायेगा और बीमार पशुओं के त्वरित इलाज के लिए निःशुल्क पशु चिकित्सा शिविर आयोजित किये जायेगे। लम्पी स्किन डिसीज पर विशेष फोकस किया जायेगा। गोवंश को लम्पी वायरस से सुरक्षित रखने के लिए पूरे प्रदेश में प्राथमिकता के आधार पर व्यापक व सघन टीकाकरण अभियान चलाया जायेगा। इस अभियान के तहत मा0 प्रधानमंत्री जी के विजन ''विकसित भारत 2047'' बनाये जाने के संकल्प को पूरा करने का प्रयास किया जायेगा।

अयोध्या गोलीकांड में घायल महिला की लखनऊ में मौत

लखनऊ। लखनऊ में अयोध्या के कंदैला गोलीकांड में घायल राम लगन मौर्य की मां पार्वती देवी की मंगलवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। 25 अगस्त को हुई फायरिंग में पार्वती देवी घायल हुई थीं। हालत गंभीर होने पर उन्हें अयोध्या से लखनऊ के KGMU रेफर किया गया था। इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। इससे पहले उनके बेटे राम लगन मौर्य की भी मौत हो चुकी है। मां-बेटे की मौत के बाद मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे लखनऊ में मोर्चरी के बाहर बड़ी संख्या में लोग जुट गए। लोगों ने हंगामा करते हुए फरार नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। इस दौरान स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा- अयोध्या पुलिस-प्रशासन दो-तीन और लाशें गिरने का इंतजार कर रहा है। पीड़ित परिवार को न्याय मिलना चाहिए। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा- अयोध्या में गोलीबारी और बमबारी कर राम लगन मौर्य की हत्या की गई थी।

प्रिया सरोज-रिंकू सिंह की शादी 4 दिसंबर को लखनऊ के रमाडा होटल में होगी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । समाजवादी पार्टी की सांसद प्रिया सरोज और क्रिकेटर रिंकू सिंह की शादी की तारीख तय हो गई है। दोनों 4 दिसंबर को लखनऊ के रमाडा होटल में शादी के बंधन में बंधेंगे। शादी की तारीख तय होने के बाद से दोनों के परिवार इसकी तैयारियों में जुटे गए हैं।

शादी में परिवार के सदस्यों के अलावा करीबी रिश्तेदार और खास मेहमान शामिल हो सकते हैं। रिंकू सिंह भारतीय क्रिकेट टीम के चर्चित खिलाड़ियों में शामिल हैं। वहीं, प्रिया सरोज उत्तर प्रदेश के मछलीशहर से समाजवादी पार्टी की सांसद हैं।

8 जून, 2025 को क्रिकेटर रिंकू सिंह और सपा सांसद प्रिया सरोज की रिंग सेरेमनी लखनऊ के 'द सेंट्रम' होटल में हुई थी। तब रिंकू और प्रिया एक-दूसरे का हाथ पकड़कर हॉल में पहुंचे थे। स्टेज पर रिंकू ने प्रिया को रिंग पहनाई, तो वह भावुक हो गईं और फफककर रो पड़ी थीं। इसके बाद दोनों ने हाथ उठाकर प्यार का इजहार किया और सेरेमनी में आए लोगों को थैंक्यू कहा था। इस दौरान प्रिया ने पिंक लहंगा पहना था और रिंकू व्हाइट शेरवानी पहने थे। रिंग सेरेमनी के समय बैकग्राउंड में शाहरुख खान की फिल्म डंकी का गाना ओ माही, ओ माही बज रहा था। रिंग सेरेमनी के बाद रिंकू और प्रिया ने केक काटा और एक-दूसरे को खिलाया था। इसके बाद मेहमानों और परिवार-वालों के साथ प्रिया-रिंकू ने जमकर डांस किया था। प्रिया ने रिंकू को कोलकाता से मंगवाई गई डिजाइनर रिंग पहनाई, जबकि रिंकू ने प्रिया को मुंबई से खरीदी गई डिजाइनर रिंग पहनाई थी। दोनों अंगूठियों की कीमत 2.5 लाख रुपए थी।

योजना : बोले- प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था चौपट, भ्रष्टाचार की हद हो गई

2027 में भाजपा का सूपड़ा साफ होना तय : अखिलेश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के भविष्य और आने वाली पीढ़ी की खुशहाली के लिए भाजपा को सत्ता से हटाना लोकतंत्र के हित में जरूरी है। प्रदेश की पूरी प्रशासनिक व्यवस्था चौपट हो चुकी है और भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार की हद हो गई है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी पीडीए को एकजुट कर उत्तर प्रदेश से भाजपा सरकार का सफाया करने के लिए संकल्पित है। अखिलेश यादव समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ स्थित डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार अपने कार्यकाल में कोई नई योजना लागू करने में सफल नहीं रही है। दिखावे के लिए भी भाजपा के पास समाजवादी सरकार के समय किए गए विकास कार्य ही हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में जापानी डेलीगेशन लखनऊ आया था, जिसे महिला सुरक्षा के लिए समाजवादी सरकार के दौरान शुरू किए गए वूमेन पावर डायल-1090 के बारे में बताया गया। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश के नौजवानों को रोजगार नहीं मिल रहा है और वे परेशान होकर आत्महत्या करने तक को मजबूर हैं। लोगों को समय पर इलाज और शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। उन्होंने स्कूलों के बंद होने का भी मुद्दा उठाया। साथ ही आरोप लगाया कि पीडीए समाज के लोगों पर अत्याचार किया जा रहा है।

'नफरत की राजनीति कर समाज को बांट रही भाजपा'

सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा नफरत की राजनीति कर समाज को बांटने की साजिश कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा के सत्ता में आने के बाद जनहित में कोई उल्लेखनीय काम नहीं हुआ। महिला अपराध, फर्जी एनकाउंटर और पुलिस हिरासत में मौतों का जिक्र करते हुए उन्होंने सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि महिलाएं लगातार अपमानित हो रही हैं और बच्चियों के साथ दरिंदगी की घटनाएं सामने आ रही हैं।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार सत्ता में बने रहने के लिए समाज को बांटने और नफरत फैलाने का काम कर रही है। अब भाजपा सरकार के कुछ ही दिन बचे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा अब समाजवादी पार्टी के नेताओं को बदनाम करने और झूठी बयानबाजी करने में लगी है। उन्होंने कहा कि भाजपा के पाप का घड़ा भर चुका है और अब वह जल्द फूटने वाला है।

'15 विद्यालयों में 1.5 करोड़ रुपये से बढ़ेंगी अवस्थापना सुविधाएं'

विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ बेहतर आवासीय

तमसा संकेत, संवाददाता

- समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित आवासीय सर्वोदय विद्यालयों में अवस्थापना और सुदृढ़ीकरण कार्य के लिए धनराशि स्वीकृत'
- शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम'

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और विश्वस्तरीय आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसी क्रम में प्रदेश के 15 सर्वोदय विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण कार्यों के लिए 1.5 करोड़ रुपये (150 लाख रुपये) की धनराशि स्वीकृत की गई है। इस योजना से बरेली, कौशाम्बी, अयोध्या, ललितपुर, हरदोई, आजमगढ़, बलिया, प्रयागराज, इटावा, फर्रूखाबाद, बांदा, चित्रकूट, जालौन और रायबरेली जनपदों के सर्वोदय विद्यालय लाभान्वित होंगे। स्वीकृत धनराशि से इन विद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं का विकास किया जाएगा, जिससे वहां पढ़ रहे विद्यार्थियों को एक सुरक्षित, आधुनिक और सुदृढ़ शैक्षणिक माहौल मिल सके। इसके अंतर्गत हॉस्टल सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण, स्मार्ट क्लासरूम व प्रयोगशालाओं के रख-रखाव, मरम्मत कार्य, पेयजल व्यवस्था, स्वच्छता सुविधाओं और

खेल परिसर के जीर्णोद्धार जैसे विभिन्न कार्य कराए जाएंगे।

'बयान'

हमारा लक्ष्य केवल शिक्षा देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सुरक्षित, आधुनिक और बेहतर बुनियादी ढांचा तैयार करना है। आने वाले समय में इन विद्यालयों में तकनीक और आधुनिक सुविधाओं का समन्वय और अधिक मजबूत किया जाएगा ताकि यहां के छात्र हर क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर सकें।'

-'असीम अरुण, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), समाज कल्याण विभाग'

सामने बंदर आने से बाइक सहित नहर में गिर गए थे, एनडीआरएफ-एसडीआरएफ ने की तलाश

नहर में डूबे सरकारी टीचर का शव मिला

बरामद

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। मल्लावां कोतवाली क्षेत्र में शारदा नहर में डूबे सहायक अध्यापक अवनीश पटेल (29) का शव करीब 24 घंटे बाद मंगलवार को बरामद हो गया। सोमवार सुबह स्कूल जाते समय उनकी बाइक अचानक सामने आए बंदर से टकरा गई थी। टक्कर के बाद बाइक अनियंत्रित होकर शिक्षक समेत शारदा नहर में जा गिरी थी।

हादसे के बाद से पुलिस, स्थानीय गोताखोरों के साथ एनडी-आरएफ और एसडीआरएफ की टीमें नहर में शिक्षक की तलाश कर रही थीं। मंगलवार सुबह भी खोजबीन जारी रही। करीब 11:30 बजे बरौना गांव के पास स्थानीय गोताखोरों को शिक्षक का शव दिखाई दिया। शव मिलने की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मल्लावां पुलिस मौके पर पहुंची और शिक्षक की तलाश शुरू कराई। स्थानीय गोताखोरों को भी बुलाया गया। नहर में पानी का तेज बहाव और गहराई अधिक होने के कारण तलाश में काफी मुश्किलें सामने आईं। इसके बाद शिक्षक की तलाश के लिए एनडी-आरएफ और एसडीआरएफ की टीमों को भी लगाया गया। बचाव दल ने नहर के अलग-अलग हिस्सों में खोजबीन की। सोमवार देर रात तक अभियान चलाया गया, लेकिन शिक्षक का कोई पता नहीं चल सका। अवनीश पटेल के नहर में डूबने की जानकारी के बाद से ही उनके परिवार के लोग लगातार परेशान थे

सोमवार से ही परिजन नहर के किनारे उनकी तलाश और सुरक्षित मिलने की उम्मीद लगाए बैठे थे। मंगलवार को शव मिलने की सूचना पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा। हादसे की जानकारी मिलने के बाद ग्रामीणों में भी शोक की लहर दौड़ गई।

स्कूल जाते समय अचानक सामने आया बंदर

अवनीश पटेल पुत्र शिवपाल, तेंदुआ थाना मल्लावां के रहने वाले थे। वह कछौना क्षेत्र के पैरा गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय में सहायक अध्यापक के पद पर तैनात थे। रोजाना की तरह सोमवार 14 सितंबर की सुबह करीब 8:30 बजे वह मोटरसाइकिल से स्कूल जा रहे थे। वह गोस्वामी नहर मार्ग से गुजर रहे थे। बताया गया कि गोसवा स्थित शारदा नहर के पास अचानक एक बंदर सड़क पर आ गया। अवनीश पटेल की बाइक बंदर से टकरा गई। अचानक हुई टक्कर से बाइक का संतुलन बिगड़ गया और वह अनियंत्रित होकर शिक्षक समेत नहर में जा गिरी।

रातभर तलाश, मंगलवार को भी जारी रहा अभियान

सोमवार देर रात तक सफलता नहीं मिलने के बाद मंगलवार को भी शिक्षक की तलाश जारी रखी गई। बचाव दल और स्थानीय गोताखोरों ने नहर में कई स्थानों पर खोजबीन की। नहर के बहाव को देखते हुए संभावित स्थानों पर लगातार तलाश की जा रही थी। करीब 24 घंटे बाद बरौना गांव के पास गोताखोरों को नहर में शिक्षक का शव दिखाई दिया। गोताखोरों ने शव को बाहर निकाला। मौके पर मौजूद पुलिस ने शव की पहचान की कार्रवाई पूरी करने के बाद उसे कब्जे में ले लिया।

पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया शव

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी। मामले में अन्य आवश्यक कानूनी प्रक्रिया भी पूरी की जा रही है। पुलिस के अनुसार शुरुआती जांच में हादसे की वजह अचानक बंदर के सामने आने और बाइक के अनियंत्रित होने की बात सामने आई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की स्थिति स्पष्ट होगी। अवनीश पटेल के निधन से विद्यालय और क्षेत्र के लोगों में भी शोक है। हादसे ने एक बार फिर नहर मार्गों पर आवागमन के दौरान सावधानी बरतने की जरूरत को सामने ला दिया है।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर चलते ट्रक में अचानक लगी आग

बाराबंकी में चालक-परिचालक सुरक्षित, आग लगने की वजह साफ नहीं

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी जिले में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर मंगलवार सुबह एक ट्रक में अचानक आग लग गई। यह घटना सुबेहा थाना क्षेत्र के अमरवल गांव के पास हुई। ट्रक लखनऊ से सुल्तानपुर की तरफ जा रहा था। देखते ही देखते आग ने पूरे ट्रक को अपनी चपेट में ले लिया। ट्रक में आग लगने की खबर मिलते ही एक्सप्रेसवे पर मौजूद लोगों में हलचल मच गई। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। सुबेहा पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को संभाला। आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड की टीम को भी बुलाया गया। फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का काम शुरू किया। आग की लपटों के कारण कुछ देर तक वहां हलचल बनी रही। राहत की बात यह है कि इस हादसे में ट्रक के चालक और परिचालक सुरक्षित हैं। किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है। पुलिस के मुताबिक, आग लगने की वजह अभी साफ नहीं हो पाई है। शुरुआती जांच में अचानक आग लगने की बात सामने आई है। आग लगने का असली कारण जांच के बाद ही पता चलेगा। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। फायर ब्रिगेड की टीम आग पर पूरी तरह काबू पाने में जुटी रही। ट्रक में आग लगने से हुए नुकसान का आकलन भी किया जा रहा है। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि ट्रक में आग किन हालात में लगी और घटना के समय उसमें क्या सामान लदा था।

फास्ट न्यूज

पति के घर में संदिग्ध हाल में लटकी मिली विवाहिता

हरदोई। बेहंदर के कासिमपुर थाना क्षेत्र के हुसैनपुर गांव में मंगलवार सुबह एक विवाहिता का शव कमरे में फांसी पर लटका मिला। सूचना मिलते ही परिवार में हड़कंप मच गया। स्थानीय पुलिस ने फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचकर जांच की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हुसैनपुर गांव के रहने वाले राम सागर की शादी तीन साल पहले घुघेरा गांव के चंद्रपाल की बेटी 40 साल की सविता से हुई थी।

बाढ़ के बीच जन्मीं दो जुड़वा बेटियां

हरदोई। हरदोई में बाढ़ के बीच दो जुड़वा बच्चियों का जन्म हुआ। परिजनों ने उन्हें गंगा-जमुना नाम दिया है। लेकिन परिवार में पहले से ही 7 बेटियों और 3 बेटों के साथ 11 लोगों के परिवार पर आर्थिक संकट आ गया है। सवायजपुर, हरपालपुर और बिलग्राम क्षेत्र के कई गांवों में मुश्किलें बढ़ी हुई हैं। महेंद्र की पत्नी रिंकी देवी ने जुड़वा बेटियों को जन्म दिया है। परिवार ने बाढ़ के बीच जन्मीं दोनों बेटियों को लक्ष्मी का रूप माना है। गंगा किनारे बसे गांव में जन्म लेने के कारण परिवार ने बेटियों का नाम गंगा और जमुना रखा है।

बाराबंकी में हिंदी दिवस पर प्रतिभाओं का सम्मान

बाराबंकी। बाराबंकी में अवध लॉ कॉलेज में सोमवार को हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के प्रवक्ताओं और छात्र-छात्राओं ने भाषण, कविता और गीत के माध्यम से हिंदी भाषा के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को रोचक बनाया। कार्यक्रम के दौरान 11 सितंबर को आयोजित हिंदी दिवस निबंध लेखन प्रतियोगिता के विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

डीएम ने 70 गांवों में विकास कार्यों को मंजूरी दी

उन्नाव में पीएम आदर्श ग्राम योजना के तहत हर गांव में 20 लाख तक के काम होंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

डीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के मानकों के अनुसार गांवों में जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। चुने गए 70 गांवों में गुणवत्ता के साथ प्राथमिकता पर काम कराया जाए और ग्रामीणों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी दिलाया जाए।

उन्नाव। उन्नाव में प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत 70 गांवों में विकास कार्य कराए जाएंगे। जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने मंगलवार को इन गांवों में विकास कार्यों को मंजूरी दे दी। हर गांव में जरूरत के हिसाब से अधिकतम 20 लाख रुपए तक के काम कराए जा सकेंगे।

इनमें पेयजल, सफाई, सड़क और रोशनी समेत ग्रामीणों से जुड़ी कई जरूरी सुविधाएं शामिल हैं।

मंगलवार को विकास भवन सभागार में डीएम की अध्यक्षता में योजना की समीक्षा बैठक हुई। इसमें बताया गया कि वर्ष 2021-22 में जिले के 192 गांवों को प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के लिए चुना गया था।

इनमें से 70 गांवों में कराए जाने वाले विकास कार्यों को अब जिला स्तर से स्वीकृति मिल गई है।

लापरवाही मिली तो जिम्मेदारों पर होगी कार्रवाई

डीएम ने साफ कहा कि विकास कार्यों में लापरवाही या गुणवत्ता में कमी मिलने पर जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को नियमित निगरानी करने और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि योजना का लाभ जमीन पर ग्रामीणों तक पहुंचे। बैठक में जिला समाज कल्याण अधिकारी प्रकाश पांडेय, उपनिदेशक कृषि, डीसी मनरेगा मुकेश कुमार, अधिशासी अभियंता प्रांतीय खंड समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

चुने गए गांवों में स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था बेहतर करने के साथ ठोस और तरल कचरे के निस्तारण के काम होंगे। स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में शौचालय बनाए जाएंगे। जरूरत वाले स्थानों पर आंगनबाड़ी भवनों का निर्माण भी कराया जाएगा।

इसके अलावा गांवों में सोलर लाइट और स्ट्रीट लाइट लगाई जाएंगी। ओवरहेड टैंक, बोरवेल, नाली निर्माण, सोकपिट और पाइपलाइन एक्सटेंशन जैसे काम भी प्रस्तावित हैं।

पुलिया, ट्रांसफार्मर और पानी की टंकी भी बनेगी

योजना के तहत आरसीसी से छोटी पुलिया बनाने के साथ ट्रांसफार्मर और ग्राउंड लेवल रिजर्वायर से जुड़े काम भी कराए जाएंगे। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि गांव की जरूरत के हिसाब से प्राथमिकता तय कर विकास कार्य कराए जाएं। जिलाधिकारी ने जिला समाज कल्याण अधिकारी प्रकाश पांडेय को योजना के तहत बाकी बचे गांवों का जल्द सर्वे कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सर्वे के बाद विकास कार्यों की अनुमानित लागत तैयार कराई जाए, ताकि आगे की प्रक्रिया जल्द पूरी हो सके। डीएम ने अधिकारियों से कहा कि सभी विकास कार्य तय समय सीमा में पूरे होने चाहिए।

हरदोई में दो एसडीएम के कार्यक्षेत्र बदले

मयंक कुंडू को सदर की कमान, आशुतोष को सदर न्यायिक बनाया गया

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में प्रशासनिक व्यवस्था को बेहतर बनाने और जनहित के कामों में तेजी लाने के लिए जिला प्रशासन ने बदलाव किया है। जिलाधिकारी अनुनय झा ने एक आदेश जारी कर जिले के दो उपजिलाधिकारियों (एसडीएम) के कार्यक्षेत्र में तुरंत बदलाव किया है। यह आदेश मंगलवार की दोपहर जारी किया गया। जारी आदेश के तहत दोनों अधिकारियों की जिम्मेदारियां बदली गई हैं। कलेक्ट्रेट में अतिरिक्त अधिकारी द्वितीय रहे मयंक कुंडू को उपजिलाधिकारी (सदर) हरदोई बनाया गया है। एसडीएम मयंक कुंडू इससे पहले भी सदर एसडीएम रह चुके हैं। इस दौरान नवीन गल्ला मंडी में औचक निरीक्षण व अवैध कब्जों के खिलाफ कार्रवाई चर्चा का विषय रही थी। जून 2026 में, डीएम अनुनय झा ने प्रशासनिक व्यवस्था के तहत उन्हें अनिवार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम (Training) में शामिल होने के लिए कार्यमुक्त (Relieve) कर दिया था। प्रशिक्षण के बाद से वह अतिरिक्त अधिकारी द्वितीय की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। सदर एसडीएम रहे आशुतोष को अब उपजिलाधिकारी सदर (न्यायिक) हरदोई बनाया गया है। वे अतिरिक्त अधिकारी द्वितीय का प्रभार भी संभालेंगे। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि दोनों अधिकारी बिना देरी

बाराबंकी में राज पैलेस मैरिज लॉन का अवैध निर्माण तोड़ा

ध्वस्तीकरण आदेश के बावजूद तय समय में नहीं हटाने पर प्रशासन ने की कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी जिले में प्रशासन ने एक बार फिर अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। मंगलवार दोपहर करीब 2:30 बजे ग्राम बड़ेल में स्थित राज पैलेस मैरिज लॉन में प्रशासन की टीम पहुंची। टीम ने यहां के अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। इस कार्रवाई से आसपास के इलाके में हलचल मच गई। जानकारी के अनुसार, राज पैलेस मैरिज लॉन में हुए निर्माण का मामला न्यायालय नियत प्राधिकारी के सामने चल रहा था। मामले की सुनवाई के बाद न्यायालय नियत प्राधिकारी ने पहले ही इसे तोड़ने का आदेश दे दिया था। बाराबंकी में प्रशासन ने एक बार फिर अवैध निर्माण के खिलाफ बुलडोजर की कार्रवाई की गई।

बाराबंकी में प्रशासन ने एक बार फिर अवैध निर्माण के खिलाफ बुलडोजर की कार्रवाई की गई।

बाराबंकी में प्रशासन ने एक बार फिर अवैध निर्माण के खिलाफ बुलडोजर की कार्रवाई की गई।

आदेश में निर्माण करने वाले को तय समय में अवैध निर्माण खुद हटाने के निर्देश दिए गए थे। प्रशासन ने इसके लिए पर्याप्त समय भी दिया था। लेकिन, तय समय सीमा खत्म होने के बाद भी जब निर्माण नहीं हटाया गया, तो प्रशासन ने खुद कार्रवाई करने का फैसला किया। इसी कड़ी में मंगलवार को प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची। टीम ने वहां की स्थिति देखी और फिर न्यायालय के आदेश का पालन करते हुए अवैध निर्माण को तोड़ दिया। कार्रवाई के दौरान कई प्रशासनिक अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे। प्रशासन के मुताबिक, यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश निर्माण कार्य विनियमन अधिनियम, 1958 की धारा 10 के तहत की गई है। अधिकारियों ने साफ किया कि न्यायालय के आदेश के बावजूद तय समय में अवैध निर्माण नहीं हटाने के कारण प्रशासन को यह कार्रवाई करनी पड़ी।

रोकने पर होमगार्ड से भिड़ा कंडक्टर, 45 मिनट तक लगा जाम

नए गंगा पुल पर रोडवेज बस को लेकर हुआ विवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में नवीन गंगा पुल पर मंगलवार दोपहर रोडवेज बस को पुल से गुजारने की कोशिश को लेकर विवाद हो गया। दोपहर करीब एक बजे ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड ने बस को रोक दिया। इस पर बस के कंडक्टर और होमगार्ड के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते मामला बढ़ गया और आसपास मौजूद स्थानीय लोग भी मौके पर पहुंच गए। लोगों ने भी पुल पर भारी वाहनों की आवाजाही पर लगी रोक का हवाला देते हुए बस को वापस मोड़ने की मांग की। काफी देर तक चले विवाद के बाद बस को वापस कर दिया गया।

स्थानीय लोगों ने भी बस वापस करने को कहा

विवाद की जानकारी होने पर पुल के आसपास मौजूद स्थानीय लोग भी मौके पर पहुंच गए। लोगों ने होमगार्ड का समर्थन करते हुए कंडक्टर से बस को वापस मोड़ने के लिए कहा। स्थानीय लोगों का कहना था कि जब नवीन गंगा पुल पर भारी वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित है तो रोडवेज बस को भी निर्धारित नियमों का पालन करना चाहिए।

बस को रोकने और विवाद के कारण नवीन गंगा पुल मार्ग पर यातायात पूरी तरह सामान्य नहीं रह सका। पुल के दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई। करीब 45 मिनट तक वाहन जाम में फंसे रहे। वाहन चालकों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

बस रोकने पर होमगार्ड से हुई बहस

मंगलवार दोपहर रोडवेज बस नवीन गंगा पुल की तरफ पहुंची। पुल पर भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक होने के कारण ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड ने बस को रोक दिया। कंडक्टर बस को पुल से ले जाने की जिद करने लगा। होमगार्ड ने नियमों का हवाला देते हुए आगे जाने से मना किया, जिसके बाद दोनों के बीच बहस शुरू हो गई।

होमगार्ड ने पुल पर बस जाने से रोका

जानकारी के अनुसार नवीन गंगा पुल पर भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगी हुई है। मंगलवार दोपहर करीब एक बजे रोडवेज बस चालक बस को पुल के रास्ते ले जाने की कोशिश कर रहा था। ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड ने बस को रोकते हुए प्रतिबंध की जानकारी दी और आगे जाने से मना किया। इस पर बस के कंडक्टर ने आपत्ति जताई और दोनों के बीच बहस शुरू हो गई। शुरुआत में मामला होमगार्ड और बस कर्मी के बीच ही रहा, लेकिन कुछ देर बाद विवाद बढ़ने लगा। आवाजाही रुकने और मौके पर भीड़ जुटने से स्थिति और गंभीर हो गई। लोग बस को पुल से ले जाने की अनुमति देने के खिलाफ नजर आए। विवाद के चलते पुल पर वाहनों की आवाजाही भी प्रभावित हो गई।

कार्रवाई : डेढ़ करोड़ की जमीन पर कार्रवाई, नोटिस के बाद भी नहीं जमा स्वीकृत लेआउट

10 बीघे की अवैध प्लॉटिंग पर चला बुलडोजर

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। सैयद अब्बासपुर राजस्व गांव में मंगलवार को अवैध प्लॉटिंग के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। उन्नाव-शुक्लागंज डेवलपमेंट अथॉरिटी (यूएसडीए) की टीम ने बुलडोजर चलाकर करीब 10 बीघे जमीन पर की जा रही अवैध प्लॉटिंग को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई यूएसडीए के सचिव के नेतृत्व में की गई। इस दौरान सिटी मजिस्ट्रेट मनोज सिंह भी मौके पर मौजूद रहे। अधिकारियों के अनुसार, कार्रवाई की गई जमीन की कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपये आंकी गई है। अधिकारियों के मुताबिक सैयद अब्बासपुर में करीब 10 बीघे जमीन पर बिना स्वीकृत लेआउट के प्लॉटिंग का काम चल रहा था। जमीन को छोटे-छोटे भूखंडों में बांटकर बिक्री की तैयारी की जा रही थी। प्राधिकरण की ओर से मामले की जानकारी मिलने के बाद संबंधित लोगों को नोटिस जारी किया गया था। नोटिस के माध्यम से प्लॉटिंग का स्वीकृत लेआउट और जरूरी दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे। यूएसडीए अधिकारियों का कहना है कि नोटिस जारी होने के बाद भी संबंधित लोगों ने स्वीकृत लेआउट प्राधिकरण के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया। अधिकारियों की ओर से उन्हें नियमों का पालन करने के लिए कई अवसर दिए गए। अंतिम अवसर दिए जाने के बावजूद जब प्लॉटिंग का काम बंद नहीं हुआ और स्वीकृति संबंधी प्रक्रिया पूरी नहीं की गई तो प्राधिकरण ने ध्वस्तीकरण की कार्रवाई का निर्णय लिया।

चार-पांच लोगों के शामिल होने की बात

यूएसडीए के अधिकारियों के अनुसार राजस्व रिकॉर्ड में इस अवैध प्लॉटिंग से जुड़े कुछ नाम सामने आए हैं। इनमें प्रदीप राजपूत, राजू रावत और सुरेश शुक्ला समेत अन्य लोग शामिल बताए गए हैं। अधिकारियों के मुताबिक करीब चार-पांच लोग मिलकर जमीन पर प्लॉटिंग का काम कर रहे थे। हालांकि कार्रवाई के दौरान प्रशासन ने मौके पर मौजूद अवैध रूप से विकसित किए गए प्लॉट और अन्य निर्माण को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया।

कार्रवाई के बाद यूएसडीए अधिकारियों ने आम लोगों से भी सतर्कता बरतने की अपील की। अधिकारियों ने कहा कि किसी भी जमीन या प्लॉट को खरीदने से पहले खरीदार को यह जरूर जांच लेना चाहिए कि संबंधित कॉलोनी या प्लॉटिंग का लेआउट प्राधिकरण से स्वीकृत है या नहीं।

डेढ़ करोड़ रुपये आंकी गई जमीन की कीमत

प्राधिकरण के अनुसार जिस जमीन पर कार्रवाई की गई, वह सड़क से करीब 300 मीटर की दूरी पर स्थित है। अधिकारियों ने बताया कि संबंधित क्षेत्र में जमीन का सर्किल रेट लगभग डेढ़ करोड़ रुपये प्रति हेक्टेयर है। इसी आधार पर कार्रवाई की गई जमीन की कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपये बताई गई है। बड़ी कीमत की जमीन पर बिना स्वीकृति प्लॉटिंग किए जाने को लेकर प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया और कार्रवाई की।

उन्नाव में बंद घर से चोरी, परिवार बनारस गया था

चोर शादी के लिए रखे रुपये ले गए, पहले भी 12 लाख के जेवर चोरी हुए थे

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के ललऊ खेड़ा डीह में एक बंद मकान में चोरों ने दूसरी बार चोरी की है। 10 और 11 सितंबर की रात चोर घर में घुसकर करीब 30 हजार रुपये नकद ले गए। यह रकम परिवार में होने वाली शादी के खर्च के लिए रखी गई थी। पीड़ित परिवार ने मंगलवार को पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। ललऊ खेड़ा डीह निवासी शशांक मिश्रा ने एसपी को बताया कि वह नौकरी के कारण वाराणसी में रहते हैं। उनके माता-पिता पहले घर में रहते थे। पहली चोरी के बाद पिता की मानसिक हालत बिगड़ गई, जिसके बाद शशांक उन्हें वाराणसी ले गए। मां भी चोरी के बाद तनाव में थीं और एक हादसे में उनका कंधा टूट गया। वह अब अपने ननिहाल में रहकर इलाज करा रही हैं, इसलिए घर बंद रहता है। शशांक को पड़ोसी से घर में दोबारा चोरी होने की जानकारी मिली। वह 13 सितंबर को वाराणसी से उन्नाव पहुंचे। घर की जांच करने पर उन्हें 30 हजार रुपये नकद गायब मिले। उन्होंने तुरंत डायल 112 पर सूचना दी और ललऊ खेड़ा चौकी इंचार्ज को भी घटना के बारे में बताया। पीड़ित ने बताया कि इससे पहले तीन जून को भी उनके घर में बड़ी चोरी हुई थी। तब चोर करीब चार हजार रुपये नकद और 12 लाख रुपये से ज्यादा के सोने-चांदी के जेवर ले गए थे। परिवार का आरोप है कि इतनी बड़ी चोरी के बावजूद अभी तक जेवर बरामद नहीं हुए और कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। शशांक ने एसपी से 10 और 11 सितंबर की चोरी की एफआईआर दर्ज करने, जांच करने और आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की है। उन्होंने तीन जून की चोरी का खुलासा कर सामान बरामद कराने और परिवार की सुरक्षा पक्की करने की भी गुहार लगाई है। इंस्पेक्टर कोतवाली सीके मिश्रा ने बताया कि पप्रकरण संज्ञान में है जांच होगी।

सम्पादकीय

पाकिस्तान का छलावा

पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय संगठन एफएटीएफ की अगले माह होने वाली बैठक के पहले जिस तरह भारत में वांछित आतंकी सरगना मसूद अजहर पर इनामी राशि 50 लाख से बढ़ाकर 70 लाख रुपए की, वह मनी लांड्रिंग और आतंकी वित्तपोषण पर लगाम लगाने वाली इस संस्था के साथ-साथ विश्व की आंखों में धूल झोंकने की कोशिश ही है। पाकिस्तान की धोखेबाजी का परिचय इससे मिलता है कि उसने कुछ समय पहले यह अफवाह फैलाई थी कि जैशे मोहम्मद का सरगना मसूद अजहर अफगानिस्तान में कहीं छिपा है। अफगानिस्तान और भारतीय खुफिया एजेंसियों के अनुसार वह पाकिस्तान में ही है।

पाकिस्तान ने मसूद अजहर पर इनामी राशि बढ़ाने के साथ आतंकियों की जो नई सूची जारी की, उसमें अनेक नाम ऐसे हैं, जो भारत में आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार हैं। पाकिस्तान ने आतंकियों की नई सूची में से कई के फोटो हटा दिए हैं और उनका आतंकी संगठनों से संबंध भी छिपा लिया है, जबकि पहले की सूची में उनके फोटो और इसका विवरण भी था कि वे किस आतंकी संगठन के लिए काम करते हैं।

पता नहीं एफएटीएफ पाकिस्तान के छलावे को भांप सकेगी या नहीं, लेकिन इसमें संदेह नहीं कि यदि वह कठोरता का परिचय नहीं देती तो आतंक से लड़ने में सक्षम नहीं हो सकेगी। एफएटीफ ने 2022 में पाकिस्तान को इसलिए अपनी ग्रे लिस्ट से हटाया था, क्योंकि यह लग रहा था कि वह अपने यहां के आतंकी ढांचे को खत्म कर रहा है, लेकिन ऐसा होते ही वह फिर से आतंकियों को पालने-पोसने में जुट गया।

पाकिस्तान में जैश और लश्कर सरीखे आतंकी संगठन पहले की ही तरह न केवल सक्रिय हैं, बल्कि फल-फूल भी रहे हैं। वे चंदा इकट्ठा करने के साथ ही आतंकियों की भर्ती भी करते रहते हैं। चूंकि पाकिस्तान ने आतंकी संगठनों को अपनी सुरक्षा नीति का हिस्सा बना लिया है, इसलिए वहां आतंकी संगठनों की सक्रियता खत्म होने का नाम नहीं लेती। वह आतंकियों को पालकर भारत ही नहीं, अन्य देशों के लिए भी खतरा बन रहा है।

विडंबना यह है कि सब कुछ जानते हुए भी एफएटीफ इसकी अनदेखी कर रही है। इसका कारण यह है कि इस संगठन में प्रभावी कुछ देश पाकिस्तान के हितैषी बने हुए हैं। इनमें प्रमुख है अमेरिका। जो अमेरिका पाकिस्तान पोषित आतंकवाद से पीड़ित रहा, वह इससे मुंह फेरे है कि इस देश में किस तरह आतंकवाद फल-फूल रहा है। पाकिस्तान में पनप रहा आतंकवाद वैश्विक जिहाद को खाद-पानी दे रहा है और यह जिहाद अमेरिका के लिए भी खतरा बन सकता है। इसमें संदेह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति की आंखें खुलेंगी, लेकिन एफएटीएफ में शामिल अन्य देशों को पाकिस्तान से उभर रहे खतरे का संज्ञान लेना चाहिए। वे ऐसा करें, इसके लिए भारत को इस संगठन में अपनी उपस्थिति का उपयोग करना होगा।

> पर्यटन उद्योग की रीढ़ हमेशा से वहां का बुनियादी ढांचा और कनेक्टिविटी रही है। कोई भी पर्यटन स्थल तब तक सफल नहीं हो सकता जब तक कि वहां पहुंचना सुलभ और आरामदायक न हो। वसई इस मोर्चे पर हमेशा से पिछड़ता रहा है।

वसई की ऐतिहासिक और प्राकृतिक विरासत

मुंबई महानगर से सटा पालघर जिले का वसई-विरार क्षेत्र आज एक ऐतिहासिक चौराहे पर खड़ा है। एक तरफ जहां यह क्षेत्र तेजी से शहरीकरण और कंक्रीट के जंगलों में तब्दील हो रहा है, वहीं दूसरी तरफ इसके सीने में सदियों पुराना इतिहास, प्राचीन किले, शांत समुद्र तट और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत दबी हुई है। दशकों तक केवल मुंबई के एक 'शयनकक्ष' के रूप में देखे जाने वाले वसई को अब अपनी वास्तविक पहचान मिलने की उम्मीद जगी है। वसई-विरार नगर निगम द्वारा वर्ष 2026-2027 के लिए घोषित 4,208 करोड़ का महत्वाकांक्षी बजट और उसमें शामिल विशेष 'टूरिज्म मास्टर प्लान' इस बात का स्पष्ट संकेत है कि वसई को एक वैश्विक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की प्रशासनिक और राजनीतिक इच्छाशक्ति अब धरातल पर उतरने लगी है। हालांकि, यह सवाल आज भी हर वसईकर और इतिहासप्रेमी के जेहन में कौंध रहा है कि कागजी प्रस्तावों, बजटीय आवंटनों और प्रशासनिक घोषणाओं के बीच वास्तविक धरातल पर वसई का पूर्ण कायाकल्प कब तक संभव हो पाएगा। इस महा-परियोजना की राह में जितनी संभावनाएं हैं, उतनी ही ढांचागत और प्रशासनिक चुनौतियां भी मौजूद हैं, जिनका निष्पक्ष विश्लेषण समय की मांग है। वसई के पर्यटन विकास को समझने के लिए सबसे पहले इसकी उस भौगोलिक और ऐतिहासिक विशिष्टता को स्वीकार करना होगा जो इसे देश के अन्य तटीय क्षेत्रों से अलग बनाती है। वसई केवल चौपाटी या समुद्र तटों का शहर नहीं है, बल्कि यह जीवंत इतिहास का एक ऐसा कोलाज है जहां मौर्य काल, सातवाहन काल, पुर्तगाली शासन और मराठा साम्राज्य के गौरवशाली अध्याय एक साथ सांस लेते हैं। यहाँ का वसई किला स्थापत्य कला का एक ऐसा बेजोड़ नमूना है, जो यूरोप और भारत के सांस्कृतिक मिलन को दर्शाता है। लेकिन दुर्भाग्य से, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण और स्थानीय प्रशासन के बीच समन्वय की कमी के कारण यह ऐतिहासिक धरोहर वर्षों तक उपेक्षा का शिकार रही। खंडहरों में तब्दील होती दीवारें, असामाजिक तत्वों का जमावड़ा और बुनियादी सुविधाओं का अभाव इसकी नियति बन चुका था। अब नए मास्टर प्लान के तहत इस किले के पुनरुद्धार, प्रकाश व्यवस्था और पर्यटकों के लिए सूचना केंद्रों की स्थापना की जो बात कही जा रही है, वह स्वागत योग्य है। लेकिन इस विकास में सबसे बड़ी चुनौती इतिहास के मूल स्वरूप को अक्षुण्ण बनाए रखने की है। पर्यटन के नाम पर आधुनिक कंक्रीट का निर्माण इस धरोहर के ऐतिहासिक महत्व को नष्ट कर सकता है, इसलिए प्रशासन को पुरातत्व विशेषज्ञों की देखरेख में ही आगे बढ़ना होगा। इस पूरे पर्यटन मास्टर प्लान का सबसे क्रांतिकारी और दूरगामी पहलू पांजू द्वीप (Panju Island) का विकास है। नीति आयोग द्वारा देश के जिन 26 प्रमुख द्वीपों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के पर्यटन हब के रूप में विकसित करने के लिए चुना गया है, उनमें महाराष्ट्र से केवल वसई क्रीक में स्थित पांजू द्वीप शामिल है। यह चयन अपने आप में वसई की वैश्विक क्षमता को प्रमाणित करता है। पांजू द्वीप आज भी शहरी कोलाहल से दूर अपनी पारंपरिक आगरी (मछुआरा) संस्कृति और प्राकृतिक सुंदरता को संजोए हुए है। केंद्र और राज्य सरकार की योजना यहाँ वाटर स्पोर्ट्स, मैंग्रोव सफारी, इको-टूरिज्म और होमस्टे जैसी आधुनिक सुविधाएं विकसित करने की है। यह परियोजना न केवल पर्यटकों को आकर्षित करेगी बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी एक नया जीवन देगी। जब बाहरी पर्यटक यहाँ आएंगे और होमस्टे के माध्यम से स्थानीय घरों में रुकेंगे, तो यहाँ के युवाओं के लिए रोजगार के अभूतपूर्व अवसर पैदा होंगे। लेकिन इस विकास की भी अपनी एक कीमत है। पांजू द्वीप का नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र और वहां के विस्तृत मैंग्रोव वन पर्यावरण की दृष्टि से बेहद संवेदनशील हैं। यदि पर्यटन के अनियंत्रित व्यावसायीकरण को खुली छूट दी गई, तो यहाँ का पर्यावरण तबाह हो सकता है। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि पांजू द्वीप का विकास पूरी तरह से 'इको-फ्रेंडली' या पर्यावरण-अनुकूल हो, जिसमें प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध और कचरा प्रबंधन की सख्त व्यवस्था हो।

मुंबई के इतने करीब होने के बावजूद, लोकल ट्रेनों की भीड़ और खस्ताहाल सड़कें पर्यटकों को यहाँ आने से रोकती रही हैं। लेकिन आगामी कुछ वर्षों में यह परिदृश्य पूरी तरह बदलने वाला है। वर्तमान में निर्माणाधीन और स्वीकृत तीन बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाएं वसई के पर्यटन को सीधा संबल देने जा रही हैं। पहली परियोजना उत्तन-विरार सी लिंक है। लगभग 55 किलोमीटर लंबा यह कोस्टल रोड प्रोजेक्ट जब मुंबई के पश्चिमी उपनगरों को सीधे विरार और वसई से जोड़ेगा, तो दक्षिण और मध्य मुंबई के पर्यटकों के लिए वसई की दूरी महज कुछ मिनटों की रह जाएगी। दूसरी महत्वपूर्ण परियोजना मुंबई मेट्रो लाइन 13 है, जो मीरा-भयंदर से वसई-विरार को जोड़ेगी। मेट्रो का यह संजाल मुंबई के आम मध्यवर्गीय नागरिकों को सप्ताहांत पर बिना किसी ट्रैफिक जाम के वसई के समुद्र तटों और ऐतिहासिक स्थलों तक पहुंचने का एक किफायती और सुलभ साधन प्रदान करेगा। इसके अतिरिक्त, रेलवे द्वारा वसई रोड स्टेशन पर एक आउटस्टेशन टर्मिनस का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। इस टर्मिनस के चालू होने से देश के अन्य राज्यों (जैसे गुजरात, राजस्थान और उत्तर भारत) से आने वाली लंबी दूरी की ट्रेनें सीधे वसई रुक सकेंगी, जिससे राष्ट्रीय स्तर के पर्यटकों का आगमन सुलभ होगा।

हालांकि, इन सभी बड़ी परियोजनाओं की समयसीमा को लेकर आम जनता और विशेषज्ञों में एक स्वाभाविक संशय बना रहता है। भारत में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का समय पर पूरा न होना एक पुरानी बीमारी रही है। यदि मेट्रो लाइन 13 या सी-लिंक जैसी परियोजनाएं प्रशासनिक लेती-देती या भूमि अधिग्रहण के विवादों में उलझती हैं, तो वसई का पर्यटन विकास भी अधर में लटका रहेगा। विशेषज्ञों का अनुमान है कि जिस गति से वर्तमान में काम चल रहा है, इन सभी कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट्स को पूरी तरह संचालित होने में वर्ष 2028 से 2029 तक का समय लग सकता है। इसका सीधा अर्थ यह है कि अगले तीन से चार साल वसई के लिए 'परिवर्तन काल' (Transition Period) होने वाले हैं।

अशोक भाटिया

पाठकों के लिए यह ...

प्रमोद दीक्षित मलय

पृथ्वी के सुरक्षा कवच ओजोन का संरक्षण आवश्यक

वह वर्ष 1985 का एक सामान्य दिन था। मैं कक्षा नौवीं का विद्यार्थी था। सुबह दैनंदिन प्रार्थना के बाद हम सभी विद्यार्थी कक्षा में बैठे विषय सम्बंधित बातचीत में तल्लीन थे कि कक्षाध्यापक उपस्थिति पंजिका लिए कक्षा में दाखिल हुए। हाजिरी भर कर बोले, बच्चो ! पृथ्वी के जीवन पर बहुत बड़ा संकट आ चुका है और तुम लोग बतकही में लगे हो।₹ कक्षा में सन्नाटा पसरा गया। वह आगे बोले कि पृथ्वी के वायुमंडल में लगभग 20 किमी ऊपर समताप मंडल में 10 से 40 किमी मोटी ओजोन गैस की एक परत होती है जो सूरज से निकलने वाली हानिकारक पैराबैंगनी किरणों को सोख लेती है। यदि ये किरणें सीधे पृथ्वी पर पड़ने लगें तो मनुष्यों को कैंसर और मोतियाबिंद का रोगी बना देंगी और वनस्पति को बहुत क्षति पहुंचेगी। तब पशु-पक्षियों और मनुष्यों का जीवन पर संकट आ जायेगा। अंटार्कटिका क्षेत्र के ऊपर ओजोन परत में बहुत बड़ा छिद्र देखा गया है। यह ओजोन परत के सम्बंध में हमारी पहली जानकारी थी।इतना सुनकर हम बच्चों के दिल-दिमाग में डर की लहर दौड़ गई। जीवन के पांच दशक बाद भी वह डर आज भी हावी है क्योंकि ओजोन परत का छिद्र मानव सभ्यता एवं प्रकृति के लिए संकट बना हुआ मानवीय जीवन शैली को प्रकृति अनुरूप जीने का संकेत कर रहा है और इसी लिए 1995 से प्रत्येक वर्ष 16 सितम्बर को विश्व ओजोन दिवस मनाया जाता है।

विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर ओजोन परत के संरक्षण के लिए जन जागरूकता के प्रसार एवं मांट्रियल प्रोटोकाल की अनुशंसाओं को लागू करने के लिए वैश्विक आयोजन किये जाते हैं। उल्लेखनीय है कि 16 सितम्बर, 1987 को कनाडा के मांट्रियल नगर में आयोजित पर्यावरणीय बैठक में 31 देशों ने सहभागिता करके ओजोन परत में हो रहे छिद्र के समाधान हेतु एक नीतिगत दस्तावेज तैयार किया था जिसे 'मांट्रियल प्रोटोकाल' कहा जाता है। इसके अंतर्गत ओजोन परत के क्षरण के जिम्मेदार रसायन क्लोरो फ्लोरो कार्बन, हेलॉन, मिथाइल क्लोराइड, मिथाइल ब्रोमाइड और ट्रेटा क्लोराइड के उत्पादन एवं उपभोग को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने की पैरवी की गई है। मांट्रियल प्रोटोकाल को 1 जनवरी, 1989 से लागू किया गया। संयुक्त राष्ट्र संघ के इतिहास में यह सबसे बड़ा पर्यावरण सुधार समझौता कहा जाता है जिसे सभी सदस्य देशों की सहमति-स्वीकृति मिली हुई है। मांट्रियल प्रोटोकाल का लक्ष्य वर्ष 2050 तक ओजोन को नुक्सान पहुंचाने वाले सभी रसायनों पर नियंत्रण प्राप्त करना है। उल्लेखनीय है कि ओजोन परत की खोज वर्ष 1913 में फैबरी चार्ल्स एवं हेनरी बुसॉन द्वारा की गई थी। ओजोन परत को नापने की इकाई डाब्सन कहलाती है।

पाठकों के लिए यह जानना उपयोगी एवं रोचक होगा कि पृथ्वी के चतुर्दिक पंच स्तरीय वायुमंडल का घेरा होता है। पहली निचली परत 18-20 किमी क्षोभमंडल जहां वर्षा, बादल, आंधी, तूफान आदि क्रियाएं होती है। उसके आगे 15 से 45 किमी समताप मंडल जहां ओजोन द्वारा पराबैंगनी किरणों को सोखा जाता है। यह वायुक्षेत्र विमान उड़ाने के लिए उपयुक्त है। उसके आगे 50 से 80 किमी का कम तापमान वाला ठंढ़ा मध्य मंडल का क्षेत्र होता है जहां अंतरिक्ष से गिरने वाले अधिकांश उल्कापिंड प्रवेश करते ही जल जाते हैं। फिर 80 से 600 किमी का आयनित कणों वाला आयन मंडल आता है जो रेडियो तरंगों को परावर्तित कर पृथ्वी पर वापस भेज देता है। 600 से 10000 किमी के विस्तार क्षेत्र वाली अंतिम सबसे ऊपरी परत बहिर्मंडल परत कहलाती है, जहां वायु का प्रतिरोध न के बराबर होता है। यहीं पर कृत्रिम उपग्रह तैरते हुए पृथ्वी का चक्कर लगाते हैं।

समताप मंडल में स्थित ओजोन परत 99 प्रतिशत पराबैंगनी किरणों को अवशोषित कर पृथ्वी के जीवन की रक्षा करती है, इसे पृथ्वी का सुरक्षा कवच कहना उचित ही है। मानव निर्मित क्लोरोफ्लोरो कार्बन रसायन कम क्रियाशील होने के कारण क्षोभमंडल पार कर समताप मंडल में पहुंच पराबैंगनी विकिरण से क्रिया करके क्लोरीन मुक्त करती है जो ओजोन का क्षय करती है। ओजोन एक नीले रंग की तीव्र गंध वाली गैस है जो जीवन के लिए अपरोक्ष रूप से आक्सीजन से भी अधिक महत्वपूर्ण है। शोध निष्कर्ष है कि 1970 के बाद प्रति दशक 4 प्रतिशत ओजोन क्षय हो रहा है।

किसान श्री ...

डॉ. मनोज चंद्रा

जनपद आजमगढ़ के ग्राम कोहड़ौली के किसान ने वैज्ञानिक खेती से उड़द उत्पादन में रचा नया कीर्तिमान

प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में, छोटे एवं सीमांत कृषकों की आय दोगुनी करने, वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा देने तथा 'अन्नदाता से उद्यमी' बनाने की दिशा में प्रदेश सरकार सतत कार्य कर रही है। राज्य सरकार की समयबद्ध योजनाओं, अनुदानों, फसल बीमा, मृदा स्वास्थ्य कार्ड तथा कृषि यंत्रों पर सब्सिडी जैसी सुविधाओं से आजमगढ़ जनपद सहित समूचे प्रदेश में उड़द, धान, गेहूं एवं तिलहनी फसलों के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। विकास खण्ड मार्टिंगंज के ग्राम कोहड़ौली के लगनशील किसान श्री सुशील कुमार सिंह की यह सफलता गाथा इन्हीं प्रयासों का एक प्रेरणादायक उदाहरण है।

श्री सुशील कुमार सिंह पुत्र श्री श्रीनाथ जनपद आज़मगढ़ के विकास खण्ड मार्टिंगंज के अंतर्गत आने वाले ग्राम कोहड़ौली के मूल निवासी हैं। जिनकी शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल है। सीमित शैक्षिक पृष्ठभूमि होने के बावजूद वे स्वभाव से अत्यंत जिज्ञासु, मेहनती और प्रगतिशील किसान हैं, उन्होंने खेती को केवल परम्परा नहीं, बल्कि आधुनिक वैज्ञानिक तकनीक के साथ एक लाभदायक व्यवसाय के रूप में अपनाया है। अपनी लगन और सीखने की निरन्तर इच्छा के कारण उन्होंने अपने क्षेत्र में एक विशिष्ट व अनुकरणीय पहचान बनाई है। श्री सुशील कुमार सिंह सामान्य श्रेणी के कृषक हैं, जिनके पास कुल लगभग 0.40 हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि है। इतनी कम जोत होने के बावजूद उन्होंने खेती को ही अपना प्रमुख व्यवसाय मानते हुए भूमि के सूक्ष्म प्रबंधन, उन्नत किस्मों के चयन और वैज्ञानिक पद्धतियों से उत्पादन बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित किया। वे नियमित रूप से कृषि विभाग के अधिकारियों एवं कार्मिकों से मार्गदर्शन प्राप्त करते रहे और हर नई तकनीक को अपने खेत पर प्रयोग करने का साहस रखते हैं। यही कारण है कि सीमित भूमि पर भी उन्होंने अपने को क्षेत्र का प्रगतिशील किसान सिद्ध किया है। किसान श्री सिंह अपने खेत की तैयारी में गहरी जुताई, समुचित पाटा एवं समतलीकरण पर विशेष ध्यान देते हैं और वायु संचार तथा प्रकाश की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए खेती की है। उन्होंने मृदा परीक्षण की रिपोर्ट के आधार पर संतुलित उर्वरक प्रबंधन अपनाया, जिसमें नत्रजन, फास्फोरस पोटाश के साथ-साथ जैविक खाद एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों का समुचित उपयोग किया है। उन्होंने फसल की निकाई-गुड़ाई, अंतर सिंचाई तथा कीट एवं रोग नियंत्रण के लिए कृषि विभाग द्वारा दिये गये तकनीकी सुझावों का दृढ़ता से पालन किया। कृषि विभाग के कर्मियों द्वारा समय-समय पर आयोजित गोष्ठियों एवं खेत दिवसों में भाग लेकर श्री सुशील कुमार सिंह ने उड़द की उन्नत किस्मों, बीज उपचार, समेकित कीट प्रबंधन तथा खरपतवार नियंत्रण के आधुनिक तरीकों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने फसल चक्र, अवशेष प्रबंधन एवं जैविक विधियों को भी अपनी खेती में सम्मिलित किया, जिससे मृदा स्वास्थ्य में सुधार हुआ और लागत में कमी आई।

संवत्सरी महापर्व

संवत्सरी एक अध्यात्म- पर्व हैं । आध्यात्मिक चेतना को जगाने का पर्व हैं । ऐसा नहीं हैं कि आध्यात्मिक चेतना को जगाने की जरूरत सिर्फ जैनों को हैं , दूसरों को नहीं हैं । यह तो मानी हुई बात हैं और बहुत जरूरी भी है कि सबकी आध्यात्मिक चेतना जागे , किंतु चाहने भर से क्या होता हैं? इसके लिए प्रयत्न करना पड़ता हैं । हम विचार करें कि पर्युषण पर्व के आठ दिन धर्माराधना के होते हैं, क्यों न इसके साथ- साथ ज्ञानाराधना भी हों अर्थात् कुछ अलग से भी हमारा चिंतन चले और चिंतन इस विषय पर चले कि वर्तमान जगत को अध्यात्म की सबसे ज्यादा जरूरत हैं और अध्यात्म के द्वारा हम युगीन समस्याओं को सुलझा सकतें हैं। अध्यात्म की शक्ति और उसका वीर्य क्या हैं? इस बात का भी चिंतन होना चाहिए । संवत्सरी महापर्व सामुदायिक जीवन जीने की कला का महाग्रंथ हैं । हमें इसको पढ़ना चाहिए । व्यक्ति अकेला नहीं हैं । यदि अकेला होता तो अलग- अलग प्रकार की जीवनशैली की आवश्यकता नहीं होती , किंतु व्यक्ति और उसकी जीवनशैली अलग - अलग हैं । समुदाय और संगठन हैं, संस्था है तो फिर सामुदायिक जीवन शांतिपूर्ण कैसे रहें? इस पर विचार करना जरूरी हो जाता हैं । साथ में रहना और शांति से रहना कठिन बात हैं । क्षमा और सहिष्णुता सामाजिक जीवन को सरस और सुदृढ़ बनाने वाले सूत्र हैं । भीतरी ग्रंथियों को खोलने वाले सूत्र हैं । इन सारे सूत्रों को समझने और व्यवहार में लाने का कोई दिन है तो वह हैं पर्युषणा का दिन, संवत्सरी का दिन । पर्युषणा का मतलब ही हैं आत्मलीनता । आत्मा के आसपास रहने का नाम हैं पज्जुसणा । चार महीने तक हम आत्मा में रहें । चार महीने संभव न हों सकें तो आठ दिन हम आत्मा के पास रहें । आठ दिन भी कोई रह न सके तो एक संवत्सरी के दिन तो आत्मा के पास रहें ही । यह आत्मा की सन्निधि में रहने का दिन हैं । संवत्सरी महापर्व अध्यात्म की चेतना को जगाने का पर्व हैं । आज सबसे महत्वपूर्ण दिन संवत्सरी महापर्व का दिन हैं जिसे पर्वाधिराज होने का गौरव प्राप्त हैं । जैन आम्नाय की दो परंपराओं के जैन श्वेताम्बर के विभाग में भाद्रव शुक्ला चतुर्थी अथवा पंचमी को संवत्सरी महापर्व आयोजित होता है।

> प्रदीप छाजेड़

जरा हटके

व्यवसाय की बाजार...

डॉ सीमा गुप्ता

अमेठी में स्वयं सहायता समूहों से संवरती ग्रामीण महिला उद्यमिता

प्रदेश सरकार द्वारा संचालित उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (यूपीएसआरएलएम) ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक असमानता को दूर करने और महिला सशक्तीकरण को गति देने के एक अत्यंत प्रभावी माध्यम के रूप में उभरा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण निर्धन परिवारों की महिलाओं को संगठित कर उन्हें सतत स्वरोजगार, वित्तीय साक्षरता और सूक्ष्म उद्यमों से जोड़ना है। राज्य सरकार की इस सुनियोजित कार्ययोजना के अंतर्गत प्रदेश के प्रत्येक जनपद में स्वयं सहायता समूहों का एक सुदृढ़ सामाजिक ढांचा तैयार किया गया है, जो महिलाओं को पारंपरिक घरेलू परिधि से बाहर निकालकर आत्मनिर्भरता की मुख्यधारा में स्थापित कर रहा है।

मिशन के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए त्रिस्तरीय वित्तीय व्यवस्था की गई है, जिसमें परिक्रामी निधि (रिवॉल्विंग फंड), सामुदायिक निवेश कोष (सीआईएफ) और बैंकों के माध्यम से रियायती ब्याज दरों पर कैश क्रेडिट लिमिट (सीसीएल) की सुविधा सम्मिलित है। वित्तीय समावेशन को अंतिम छोर तक पहुँचाने के उद्देश्य से क्रियान्वित 'बीसी सखी' (बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट सखी) और ग्रामीण महिलाओं की वार्षिक आय को एक लाख रुपये से अधिक करने के लक्ष्य पर केंद्रित 'लखपति दीदी' जैसी पहलों ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था की दिशा और दशा में बुनियादी सुधार किए हैं। वर्तमान में ये समूह न केवल कृषि, पशुपालन, खाद्य प्रसंस्करण और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों में उत्पादन कर रहे हैं, बल्कि स्थानीय उत्पादों को सरस मेलों और डिजिटल विपणन मंचों से जोड़कर बाजार तक अपनी पहुंच सुनिश्चित कर रहे हैं।

इस राज्यव्यापी अभियान के क्रियान्वयन में जनपद अमेठी एक अनुकरणीय मॉडल के रूप में सामने आया है। जिला प्रशासन के नेतृत्व और सतत पर्यवेक्षण में जनपद के सभी विकासखंडों में मिशन की गतिविधियों को प्राथमिकता के आधार पर लागू किया गया है। जिला प्रशासन ने स्वयं सहायता समूहों के गठन, उनके क्षमता संवर्धन, कौशल विकास और संस्थागत ऋण लिंकेज की एक पारदर्शी व्यवस्था विकसित की है। ग्रामीण महिलाओं को केवल वित्तीय सहायता देने तक सीमित न रखकर उन्हें स्थानीय मांग के अनुरूप सूक्ष्म उद्यम स्थापित करने का व्यावहारिक तकनीकी प्रशिक्षण भी उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे अमेठी में सूक्ष्म महिला उद्यमों का एक सशक्त पारिस्थितिकी तंत्र विकसित हुआ है।

जनपद अमेठी के विकासखंड गौरीगंज अंतर्गत ग्राम पंचायत लुगरी की निवासी गायत्री देवी की उद्यमशीलता इस प्रशासनिक एवं नीतिगत प्रयास का प्रत्यक्ष प्रमाण है। सीमित संसाधनों और आजीविका के अभाव से संघर्ष करते हुए एक साधारण ग्रामीण महिला का सफल उद्यमी बनने का यह सफर राज्य सरकार के आजीविका संवर्धन कार्यक्रमों की सार्थकता को दर्शाता है। करीब सात वर्ष पूर्व गायत्री देवी पारिवारिक कारणों से अन्य महानगर से अपने पैतृक गांव लुगरी लौटी थीं। उस समय परिवार के समक्ष नियमित आय का कोई ठोस साधन नहीं था तथा आर्थिक संकट दैनिक जीवन को बुरी तरह प्रभावित कर रहा था।

आर्थिक अनिश्चितता के इस दौर में जिला प्रशासन द्वारा संचालित जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से उनका संपर्क राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से हुआ। गायत्री देवी ग्राम स्तर पर कार्यरत 'जय मां दुर्गा स्वयं सहायता समूह' की नियमित सदस्य बनीं। समूह की साप्ताहिक बैठकों ने उन्हें लघु बचत, आंतरिक लेन-देन और वित्तीय अनुशासन के महत्व से अवगत कराया। इसके साथ ही, मिशन के तहत आयोजित कौशल विकास कार्यक्रमों ने उनके भीतर उद्यमिता की भावना को जागृत किया। उन्होंने बाजार में एकल उपयोग वाले प्लास्टिक के विकल्प के रूप में पर्यावरण-अनुकूल दोना-पत्तल की निरंतर बढ़ती मांग को भांपते हुए इसे उद्यम के रूप में अपनाने का निर्णय लिया।

व्यवसाय की बाजार में मांग और चलन को देखते हुए वर्ष 2022 में समूह के माध्यम से उन्हें 17,500 रुपये की वित्तीय सहायता (स्टार्टअप एवं रिवॉल्विंग फंड) प्रदान की गई। गायत्री देवी ने इस प्रारंभिक पूंजी में समूह से प्राप्त आंतरिक ऋण और अपनी लघु बचत को जोड़कर दोना-पत्तल निर्माण की मशीन स्थापित की। तकनीकी ज्ञान, कच्चे माल के स्रोत और पैकेजिंग की बारीकियां उन्होंने प्रशिक्षण सत्रों के दौरान सीखी थीं। उत्पादन इकाई शुरू करने के पश्चात प्रारंभिक स्तर पर विपणन एक बड़ी चुनौती थी, जिसके समाधान के लिए परिवार के श्रम को संगठित किया गया। उनके पति शिव प्रसाद ने तैयार उत्पादों को स्थानीय बाजारों, साप्ताहिक हाटों और खुदरा दुकानों तक पहुंचाने का दायित्व संभाला। गुणवत्ता, स्वच्छता और समयबद्ध आपूर्ति के सिद्धांतों पर टिके रहने के कारण स्थानीय बाजार में उनके उत्पादों की स्वीकार्यता तेजी से बढ़ी। शुरुआती दौर में सीमित उत्पादन से आरंभ हुआ यह सूक्ष्म उद्यम वर्तमान में लगभग 1,00,000 रुपये के मासिक टर्नओवर तक पहुँच चुका है। समस्त परिचालन व्यय, कच्चे माल की लागत और विपणन खर्च को समायोजित करने के उपरांत उन्हें प्रतिमाह 8,000 से 10,000 रुपये की शुद्ध आय प्राप्त हो रही है। इस आर्थिक संबल ने न केवल उनके परिवार को गरीबी रेखा से बाहर निकाला है, बल्कि उन्हें मिशन के 'लखपति दीदी' मानक के अंतर्गत एक आत्मनिर्भर उद्यमी के रूप में स्थापित किया है। गायत्री देवी के इस उद्यम की सबसे उल्लेखनीय विशेषता इसका सामुदायिक विस्तार है। व्यक्तिगत सफलता को उन्होंने संपूर्ण ग्रामीण परिवेश के उत्थान का साधन बनाया। उत्पादन में वृद्धि होने पर उन्होंने जय मां दुर्गा समूह की अन्य वंचित महिलाओं को भी विनिर्माण, कच्चा माल प्रसंस्करण और पैकेजिंग के कार्यों से जोड़ा। इससे गांव की अन्य महिलाओं को भी अपने घर के पास ही सम्मानजनक कार्य और नियमित दैनिक पारिश्रमिक प्राप्त होने लगा है, जिससे उनके परिवारों की क्रय शक्ति में वृद्धि हुई है।

दोना-पत्तल निर्माण के साथ-साथ आजीविका के विविधीकरण की दिशा में भी पहल की गई। जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों के अभिसरण (कन्वर्जेंस) के माध्यम से उन्होंने समूह की महिलाओं को वैज्ञानिक पशुपालन और दुग्ध उत्पादन की गतिविधियों से जोड़ा।

रास्ते में रोका, सीने में मारी गोली, लड़की भगाने के आरोप में बेटा जेल में बंद

मुजफ्फरनगर में बहन के प्रेमी के पिता को मार डाला

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर में मंगलवार सुबह प्राइवेट फैक्ट्री के सिक्योरिटी गार्ड की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वह साइकिल से ड्यूटी पर जा रहा था। तभी हमलावरों ने उसे रोककर सीने में गोली मार दी। मृतक का बेटा गांव की एक लड़की को भगाकर ले जाने के आरोप में जेल में है। इसी रंजिश में हत्या की आशंका जताई जा रही है। दो दिन पहले इसी मामले को लेकर गांव में पंचायत हुई थी। पंचायत में लड़की ने लड़के के पक्ष

सुभाष, मृतक

में बयान दिया था। इसके बाद उसे नारी निकेतन भेज दिया गया। घटना शहर कोतवाली क्षेत्र में पिनना चौराहे के पास सुबह 10:30 बजे हुई। शाहपुर थाना क्षेत्र के किनोनी गांव के रहने वाले सुभाष (50) बुढ़ाना मोड़ स्थित एक प्राइवेट फैक्ट्री में सिक्योरिटी गार्ड थे। परिवार में पत्नी ममता उर्फ पिंकी और दो बेटे सागर (26) और आकाश (25) हैं।

एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि.... अफेयर को लेकर रंजिश का एंगल सामने आया है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर हमलावरों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी।

SSP संजय कुमार वर्मा टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और जांच-पड़ताल शुरू की।

एक महीने पहले लड़की को लेकर फरार हुआ था आकाश

एक महीने पहले आकाश लड़की को लेकर घर से चला गया था। लड़की के परिवार ने आकाश के खिलाफ केस दर्ज कराया। पुलिस ने दोनों को बरामद कर आकाश को जेल भेज दिया, जबकि लड़की को मेरठ के नारी निकेतन भेज दिया गया। इसके बाद दोनों परिवारों में विवाद बढ़ गया। इसी मामले को लेकर दो दिन पहले गांव में पंचायत हुई। पंचायत में लड़की ने आकाश के पक्ष में बयान दिया। इसके बाद उसे दोबारा नारी निकेतन भेज दिया गया। सुबह सुभाष घर से ड्यूटी के लिए निकले थे। तभी कुछ लोगों ने उन्हें घेर लिया और सीने में गोली मार दी। परिजनों की तरफ से हत्या का आरोप लड़की के भाई हरिओम और पिता सतेंदर पर लगाया जा रहा है।

यूपी में बारिश से भरभराकर गिरी दीवार

वाराणसी, प्रयागराज, कानपुर, मेरठ। यूपी में मानसून अभी सक्रिय है। बारिश से नदियां उफान पर हैं। 26 जिलों में बाढ़ के हालात हैं। करीब 4 लाख की आबादी प्रभावित है। सिद्धार्थनगर में बारिश के बीच दीवार भरभराकर गिर गई। सिर्फ 4 सेकेंड में 20 फीट लंबी दीवार जमींदोज हो गई। लखीमपुर में शारदा नदी का कटान तेज हो गया है। 24 घंटे में 7 मकान नदी में समा गए। चंदौली में बारिश के चलते मंगलवार सुबह मुसाखाड़, लतीफशाह और भैसोड़ा डैम ओवरफ्लो हो गए। तीनों से 2,270 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। लतीफशाह डैम से झरने की तरह पानी बहता दिखा। बदायूं में गंगा फिर उफना गई। पुल के ऊपर से पानी बह रहा है। आज सुबह 11 बजे काशी में तेज बारिश हुई। मौसम विभाग ने 72 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। पिछले 24 घंटे में बारिश-बाढ़ से जुड़े हादसों में 4 लोगों की मौत हो गई। बलिया में बिजली गिरने से दो युवकों और बलरामपुर में एक किसान की मौत हो गई।

नाबालिग से दुराचार और ब्लैकमेलिंग में सहयोगी आरोपी गिरफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। सरोजनीनगर पुलिस ने नाबालिग किशोरी से दुराचार, वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने और इस अपराध में सहयोग व षड्यंत्र करने के आरोप में एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया।

पुलिस के मुताबिक, 24 जुलाई 2026 को पीड़िता के परिजनों ने सरोजनीनगर थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि एक युवक ने स्वयं को अविवाहित बताकर उनकी करीब 16 वर्षीय नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। आरोप है कि युवक ने उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और वीडियो बना लिया। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर कई बार उसका शोषण किया तथा ब्लैकमेल कर जेवर भी ले लिए। मामले में पुलिस ने मु0अ0सं0 280/2026 के तहत बीएनएस की संबंधित धाराओं और पॉक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज

किया था। पुलिस ने 25 जुलाई को मुख्य आरोपी अभिषेक सिंह उर्फ गोलू को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया था। वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के निर्देशन में दो टीमों का गठन किया गया था। पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी एवं मैनुअल साक्ष्यों तथा स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से वांछित आरोपी शानू शुक्ला (18) पुत्र अशोक कुमार शुक्ला उर्फ नागराज शुक्ला, निवासी नई बस्ती, सरोजनीनगर को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपी मामले में सहयोग और षड्यंत्र करने में शामिल था। गिरफ्तारी प्रभारी निरीक्षक सरोजनीनगर राजदेव प्रजापति के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने की।

फास्ट न्यूज

मुंह में ज्वेलरी रखकर फरार हुईं 5 महिला

चांदपुर (बिजनौर)। बिजनौर में महिलाओं ने केमिकल लगे नोटों से बिछुए और सोने की लौंग खरीदी, जिससे दुकानदार को चक्कर आने लगे। मौका मिलते ही महिलाओं ने करीब 6 लाख के सोने के जेवर मुंह में छिपाए और फरार हो गईं। दुकानदार के मुताबिक, पांच महिलाएं उसकी दुकान पर पहुंचीं थीं। उन्होंने जेवर खरीदे और कथित केमिकल लगे नोटों से पेमेंट किया। नोट लेने के कुछ देर बाद ही दुकानदार को चक्कर आने लगे।

खराब धान बीज से सैकड़ों बीघा फसल बर्बाद

सीतापुर। सीतापुर में खराब धान के बीज से सैकड़ों बीघा फसल प्रभावित होने का मामला सामने आया है। मंगलवार दोपहर करीब 3:30 बजे दर्जनों किसान डीएम कार्यालय पहुंचे और राजकीय बीज भंडार से मिले धान के बीज की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए कार्रवाई की मांग की। किसानों का आरोप है कि नरेंद्र 2064 किस्म के धान में करीब 50 प्रतिशत पौधों पर बालियां नहीं आईं, जबकि जिन पौधों पर बाली आई, उनका विकास भी सामान्य नहीं है। शिकायत के बाद डीएम ने एसडीएम महमूदाबाद को जांच के निर्देश दिए हैं।

चित्रकूट में भाजपा नेता के प्लॉट में विस्फोट

चित्रकूट। चित्रकूट के अशोह गांव में 12 सितंबर को भाजपा नेता जगदीश गौतम के खाली प्लॉट में भीषण विस्फोट हुआ था। इस मामले को लेकर पुलिस टीम जांच कर रही है। वहीं बम विस्फोट निरोधक दल के एक अधिकारी का कहना है, विस्फोट में यूज होने वाला बारूद पटाखों वाला नहीं बल्कि बम वाला है। ये पूरा घटनाक्रम एक साजिश के तहत किए जाने की आशंका है।

यूपी में पति-पत्नी के अर्धनग्न शव मिले

सलवार पहने पति पेड़ से लटका था, 1 किमी दूर नदी में मिली पत्नी, पैर बंधे थे

तमसा संकेत, संवाददाता

बिजनौर। यूपी के बिजनौर में पति-पत्नी के शव जंगल में मिले। पति का शव पेड़ से लटका था। शरीर पर सिर्फ पत्नी की सलवार थी। अंगूठा फंदे में फंसा था। पत्नी का शव गंगा किनारे झाड़ियों में पड़ा था। लाश अर्धनग्न थी। शरीर का आधा हिस्सा पानी में था। दोनों पैर दुपट्टे से बंधे थे। दोनों शवों के बीच करीब 1 किमी की दूरी थी। पति-पत्नी सोमवार को लकड़ी काटने के लिए घर से निकले थे। देर रात तक नहीं लौटे तो परिजनों ने तलाश शुरू की, लेकिन दोनों नहीं मिले। मंगलवार सुबह फिर तलाश की गई तो घर से करीब 2 किमी दूर जंगल में दोनों के शव मिले। मामला जिला मुख्यालय से 6 किमी दूर जलालपुर काजी गांव का है। बहन का कहना है कि भाई-भाभी की हत्या हुई। भाभी के साथ दरिंदगी भी हुई है। पुलिस दो एंगल पर जांच कर रही है। पहला-

देशराज की बहन मोनी ने बताया कि आज जब हम गंगा के किनारे पहुंचे तो मेरी भाभी की लाश मिली। उनकी चोटी बंधी हुई थी। गले में फंदा लगा था। जब लाश को पानी से बाहर निकाला गया, तो खून बह रहा था। शरीर के निचले हिस्से में कपड़े भी नहीं थे। यह सीधा-सीधा हत्या है, आत्महत्या नहीं है। यह आत्महत्या हो ही नहीं सकती, उन्हें मारा गया है।

पति-पत्नी की हत्या की गई। दूसरा- पति ने पत्नी की हत्या करने के बाद सुसाइड किया। जलालपुर काजी गांव का रहने वाला देशराज उर्फ छोटे (40) लकड़ी काटने का काम करता था। परिवार में पत्नी सुषमा (37), बड़ी बेटी कामनी, बेटे हनी और सिद्धार्थ और छोटी बेटी कशिश हैं। परिजनों के मुताबिक, देशराज अपनी पत्नी सुषमा के साथ सोमवार सुबह 10 बजे नहर की पटरी पर लकड़ी काटने गया था। दंपती पिछले तीन दिनों से लगातार इसी जगह लकड़ी काटने जा रहे थे। सोमवार को काफी समय बीतने के बाद भी दोनों घर नहीं लौटे तो परिवार वालों को चिंता हुई। उन्होंने दोनों की तलाश शुरू की। जंगल में एक जगह दरांती और चप्पल मिले, मगर उनका पता नहीं चला। परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस और परिजन मिलकर दंपती की तलाश करने लगे। देर रात तक तलाश के बावजूद उनका कोई पता नहीं चल सका। मंगलवार सुबह पुलिस ने परिजनों के साथ फिर से तलाश शुरू की। सुबह 10 बजे देशराज का शव पेड़ पर मिला। थोड़ी देर बाद पत्नी का शव भी नदी किनारे मिला। वहीं, देशराज की बेटी कशिश का रो-रोकर बुरा हाल है। उसने बताया- मैं घर पर थी। कल सुबह मम्मी-पापा गए थे। आज उनकी लाश मिली। मम्मी-पापा की हत्या हुई है। वारदातस्थल पर पहुंचे एएसपी सिटी डॉ. कृष्ण गोपाल सिंह ने कहा- पति-पत्नी के शव मिले हैं। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर पूरे मामले की जांच की जा रही है।

मा0 महापौर जी की निधि से पार्षद रामनरेश रावत के द्वारा विकास कार्य का हुआ शुभारम्भ

तमसा सकेंत, संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ सरोजनी नगर द्वितीय वार्ड -18 के पार्षद राम नरेश रावत (एडवोकेट) ने मंगलवार को सत्यलोक कॉलोनी में इंटरलॉकिंग सड़क एवं पक्की नाली निर्माण कार्य का भूमि पूजन कर शिलान्यास किया। यह कार्य करीब 10 लाख रुपए की लागत से माननीय महापौर सुषमा खर्कवाल जी की निधि से कराया जा रहा है। पार्षद प्रतिनिधि संतोष त्रिपाठी ने बताया की के.पी. सिंह रावत के घर के आगे से लेकर श्री ओमप्रकाश के मकान के आगे तक करीब 120 मीटर लंबी और चाँर मीटर चौड़ी इंटरलॉकिंग सड़क तथा पक्की नाली का निर्माण कार्य कराया जाएगा। भूमि पूजन के दौरान पूजा अर्चना के बाद आशुतोष जी व वीरेंद्र यादव जी ने नारियल फोड़ कर निर्माण कार्य की शुरुआत की। इस दौरान शुभारंभ में कृष्ण कुमार पांडे तथा आर. के. यादव ने भी पाँच फाडवा मारकर अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। लंबे समय से पानी की निकासी की व्यवस्था न होने के कारण स्थानीय लोगों को जल भराव कीचड़ और गंदगी की समस्याओं से जूझना पड़ रहा था इस निर्माण के बाद इस मोहल्ले के निवासियों को काफी राहत मिलने की उम्मीद है। और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे इस समग्र विकास के लिए :- लखनऊ सांसद मा0केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जी भारत सरकार, मा0 महापौर सुषमा खर्कवाल जी, मा0 विधायक डॉ राजेश्वर सिंह जी, हमारे सरोजनी नगर द्वितीय के कर्मठ एवं जुझारू पार्षद रामरेश रावत एडवोकेट जी, के अथक प्रयासो से नवनिर्माण कार्य होने जा रहा है इसके लिए आप सभी लोगो को संतोष त्रिपाठी,ने अपने समस्त सत्यलोक कॉलोनी के निवासियों की तरफ से बहुत-बहुत धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया है।

अब गांव से दुनिया के बाजार तक पहुंचेंगे तीन हजार से अधिक उत्पाद

ओएनडीसी, ई-सरस, प्रेरणा मार्ट, मीशो, अमेजन और फ्लिपकार्ट के जरिए मंगा सकेंगे स्वयं सहायता समूहों के उत्पाद

- **योगी सरकार में दीदियों को अब मिलेगी ब्रांडिंग, बिक्री और डिजिटल बाजार की ताकत**
- **543 प्रेरणा सरस स्टोर और स्थानीय उत्पादों के लिए ऑनलाइन-ऑफलाइन मार्केटिंग प्लेटफॉर्म तैयार**

तमसा सकेंत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश की महिलाएं अब ग्लोबल मार्केट में दिग्गज कंपनियों को टक्कर देंगी। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश में स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों को बड़े बाजार से जोड़ने के लिए 543 प्रेरणा सरस स्टोर स्थापित किए गए हैं। वहीं 3,000 से अधिक उत्पादों के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन मार्केटिंग प्लेटफॉर्म विकसित किए

गए हैं। इससे ग्रामीण उत्पादों को ब्रांडिंग, बिक्री और डिजिटल बाजार की ताकत देने का रास्ता खुला है।

अब स्वयं सहायता समूहों के उत्पाद ओएनडीसी, ई-सरस, प्रेरणा मार्ट, मीशो, अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसे प्लेटफॉर्म के जरिए बड़े बाजार तक पहुंच सकेंगे। जनपद और ब्लॉक स्तर पर स्थापित प्रेरणा सरस स्टोर जहां स्थानीय उत्पादों को व्यवस्थित बिक्री मंच दे रहे हैं, वहीं डिजिटल प्लेटफॉर्म उनकी पहुंच गांव और जिले से बाहर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक बढ़ाने का माध्यम बन रहे हैं।

छोटे उद्यमों का विस्तार करने का अवसर मिलेगा : अरुण कुमार

स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के लिए उत्पादन के बाद बाजार तक पहुंच उनकी उद्यमिता की सबसे बड़ी जरूरतों में से एक है। योगी सरकार ने इस कड़ी को मजबूत करने के लिए स्थानीय उत्पादों की ब्रांडिंग, पैकेजिंग, मार्केटिंग और बिक्री का नेटवर्क तैयार किया है। इससे समूहों को केवल उत्पाद तैयार करने के बजाय बाजार की मांग समझकर अपने छोटे उद्यमों का विस्तार करने का अवसर मिलेगा। ग्रामीण आजीविका मिशन के मिशन निदेशक अरुण कुमार के अनुसार, स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को केवल बचत और ऋण तक सीमित रखने के बजाय उन्हें उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराने पर जोर है। उत्पादन के साथ पैकेजिंग, ब्रांडिंग और बाजार से जुड़ाव बढ़ने से ग्रामीण महिलाओं के छोटे उद्यमों को विस्तार का अवसर मिल रहा है।

31 हजार से अधिक पीआरडी जवानों को परिवार सहित पांच लाख तक का इलाज

जो प्रदेश की सेवा में जुटे, योगी सरकार ने उनके परिवारों को दिया स्वास्थ्य सुरक्षा का कवच

- **रसोइयों के मानदेय में बढ़ोतरी के साथ स्वास्थ्य सुरक्षा**
- **आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं-सहायिकाओं को भी मिला दोहरा लाभ**
- **मानदेय से साथ परिवार की सेहत और आर्थिक सुरक्षा पर जोर**

तमसा सकेंत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने समाज के लिए जमीनी स्तर पर काम करने वाले पीआरडी स्वयंसेवकों, विद्यालयों की रसोइयों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं-सहायिकाओं के कल्याण को लेकर बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने इन सेवा वर्गों के मानदेय में बढ़ोतरी के साथ उनके और उनके परिवारों के लिए पांच लाख रुपये तक की सालाना कैशलेस चिकित्सा सुविधा देने का फैसला किया है। इससे बीमारी की स्थिति में इलाज का खर्च परिवार की आर्थिक स्थिति पर भारी पड़ने से रोकने में मदद मिलेगी। खास बात यह है कि सरकार ने कर्मचारी के साथ उसके आश्रित परिवार को भी स्वास्थ्य सुरक्षा के दायरे में रखा है। प्रदेश की सुरक्षा, यातायात, आपदा और प्रशासनिक कार्यों में सहयोग करने वाले 31 हजार से अधिक पीआरडी स्वयंसेवकों और उनके परिवारों को प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये तक के कैशलेस इलाज की सुविधा देने की घोषणा की गई है। सरकारी और सूचीबद्ध अस्पतालों में उपचार का लाभ मिलेगा। इससे पीआरडी स्वयंसेवकों के परिवारों को गंभीर बीमारी की स्थिति में बड़ी रकम जुटाने की चिंता से राहत मिलेगी। परिषदीय विद्यालयों में बच्चों के लिए भोजन तैयार करने वाली रसोइयों के लिए भी

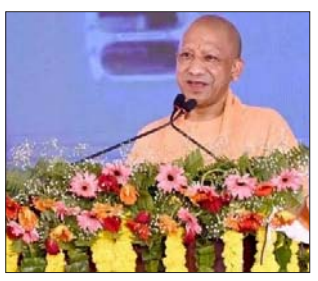

सरकार ने आर्थिक और स्वास्थ्य सुरक्षा को एक साथ जोड़ा है। उनके मानदेय में प्रतिमाह एक हजार रुपये की वृद्धि के साथ परिवार सहित पांच लाख रुपये तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा देने का निर्णय लिया गया है। सीमित आय वाले परिवारों के लिए यह सुविधा बीमारी के समय बड़ा आर्थिक सहारा साबित हो सकती है। बाल विकास, पोषण और मातृ-शिशु स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने वाली आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के लिए भी सरकार ने मानदेय बढ़ाया है। कार्यकर्ताओं का मानदेय आठ हजार से बढ़ाकर 12 हजार और सहायिकाओं का चार हजार से बढ़ाकर छह हजार रुपये किया गया है। साथ ही दोनों के परिवारों को पांच लाख रुपये तक की सालाना कैशलेस चिकित्सा सुविधा देने का फैसला किया गया है। इन फैसलों में योगी सरकार की नीति का एक स्पष्ट पक्ष दिखाई देता है, सेवा करने वाले व्यक्ति के साथ उसके परिवार की भी चिंता। बीमारी में इलाज के लिए बड़ी रकम की व्यवस्था करना निम्न और मध्यम आय वाले परिवारों के लिए बड़ी चुनौती होती है। ऐसे में कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा सीधे परिवार की आर्थिक सुरक्षा से जुड़ती है। पीआरडी जवानों से लेकर रसोइयों और आंगनवाड़ी कर्मियों तक, सरकार ने मानदेय बढ़ोतरी के साथ स्वास्थ्य सुरक्षा जोड़कर इन सेवा वर्गों के लिए आर्थिक और स्वास्थ्य सुरक्षा का दोहरा कवच तैयार किया है।

मजबूती : सरकारी अस्पतालों में हथकरघा निर्मित बेडशीट व गॉज बैंडेज की आपूर्ति को लेकर मंत्री राकेश सचान ने की समीक्षा

योगी सरकार बुनकरों को उपलब्ध कराएगी सरकारी खरीद का बड़ा बाजार

- **मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के अनुपालन में आपूर्ति व्यवस्था को शीघ्र अंतिम रूप देने के निर्देश**
- **गुणवत्ता, निर्धारित मानक और समयबद्ध आपूर्ति पर विशेष जोर**

तमसा सकेंत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश की योगी सरकार हथकरघा क्षेत्र को मजबूत करने और बुनकरों को उनके उत्पादों के लिए स्थायी एवं सुनिश्चित बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। इसी क्रम में मंगलवार को खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, तिलक मार्ग, डालीबाग, लखनऊ स्थित सभाकक्ष में खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग मंत्री राकेश सचान की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग में प्रयुक्त होने वाले हथकरघा उत्पादों की खरीद एवं आपूर्ति व्यवस्था को लेकर महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में सरकारी अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों एवं अन्य चिकित्सा संस्थानों में हथकरघा निर्मित बेडशीट एवं गॉज बैंडेज की खरीद और आपूर्ति सुनिश्चित किए जाने की कार्ययोजना पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। मंत्री राकेश सचान ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस व्यवस्था को शीघ्र प्रभावी रूप दिया जाए, जिससे एक ओर सरकारी संस्थानों को गुणवत्तापूर्ण वस्त्र उपलब्ध हों और दूसरी ओर प्रदेश के बुनकरों को बड़ा एवं स्थायी बाजार मिल सके। उल्लेखनीय है कि 07 अगस्त 2026 को लोकभवन, लखनऊ में आयोजित राष्ट्रीय हथकरघा दिवस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वास्थ्य विभाग तथा अन्य सरकारी विभागों एवं शासकीय उपक्रमों में उपयोग होने वाले प्रमुख वस्त्रों, विशेष रूप से बेडशीट एवं गॉज बैंडेज की खरीद सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में 01 सितम्बर को भी मंत्री राकेश सचान की अध्यक्षता में बैठक आयोजित कर कार्ययोजना पर विचार किया गया था। इसी क्रम में मंगलवार को हुई बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ आपूर्ति व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में

"मंत्री राकेश सचान ने कहा कि योगी सरकार का उद्देश्य हथकरघा उत्पादों की सरकारी खरीद को केवल खरीद प्रक्रिया तक सीमित रखना नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से प्रदेश के बुनकर परिवारों को निरंतर रोजगार, स्थायी बाजार और आर्थिक मजबूती प्रदान करना है। सरकारी संस्थानों में स्थानीय बुनकरों द्वारा निर्मित उत्पादों की खरीद बढ़ने से बुनकरी क्षेत्र को नई गति मिलेगी तथा युवा पीढ़ी को भी परंपरागत बुनकरी व्यवसाय से जोड़ने में मदद मिलेगी।

प्रस्तावित व्यवस्था के तहत उत्तर प्रदेश राज्य हथकरघा निगम लिमिटेड के माध्यम से सरकारी अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों एवं अन्य संबंधित चिकित्सा संस्थानों में आवश्यकतानुसार बेडशीट, तकिया कवर एवं गॉज बैंडेज क्लॉथ की आपूर्ति सुनिश्चित किए जाने पर चर्चा हुई। इसके लिए प्रदेश के बुनकरों एवं बुनकर सहकारी समितियों से गुणवत्तापूर्ण उत्पादन कराया जाएगा, ताकि सरकारी संस्थानों की आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ-साथ स्थानीय हथकरघा उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि सरकारी संस्थानों को आपूर्ति किए जाने वाले उत्पाद निर्धारित मानकों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता वाले होने चाहिए। इसके लिए उत्पादों के मानक, गुणवत्ता परीक्षण, दर निर्धारण, मांग प्राप्त करने, क्रय आदेश जारी करने, भुगतान तथा समयबद्ध आपूर्ति की प्रक्रिया को स्पष्ट एवं प्रभावी बनाया जाए। बैठक में चिकित्सा संस्थानों से उनकी वास्तविक आवश्यकता एवं निर्धारित विशिष्टियों के अनुसार मांग प्राप्त करने तथा उसके आधार पर समयबद्ध क्रय एवं आपूर्ति व्यवस्था विकसित करने पर भी चर्चा हुई। आपूर्ति व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए संबंधित स्तर पर नोडल अधिकारी नामित किए जाने का भी प्रस्ताव है।

विभिन्न जनपदों में स्थित 14 धार्मिक स्थलों का शिलालेखन एवं बारकोड का कार्य पूर्ण

पर्यटक एवं श्रद्धालु धार्मिक स्थलों के ऐतिहासिक महत्व एवं मान्यताओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे-जयवीर सिंह

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 575 परियोजनाएं स्वीकृत हुई हैं, जिनमें शिलालेख और बारकोड व्यवस्थाओं का प्राविधान किया गया है। जिसके तहत कुल 14 आस्था स्थलों पर शिलालेख और बारकोड लगाये जा चुके हैं। शेष स्थलों पर बारकोड लगाये जाने की प्रक्रिया शुरू की गयी है। यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि प्रदेश के धार्मिक एवं प्राचीन तथा ऐतिहासिक महत्व के धरोहरों के बारे में श्रद्धालु एवं पर्यटकों को जानकारी देने के लिए यह व्यवस्था की गयी है। शिलालेखन से संबंधित पुरातात्विक एवं ऐतिहासिक धरोहरों के बारे में संक्षिप्त जानकारी उकेरी गयी है। इससे आम लोगों को इस स्थल की महत्ता एवं मान्यताओं के बारे में जानकारी प्राप्त हो सकेगी।

जिन स्थलों पर शिलालेखन एवं

बारकोड लगाने का कार्य पूरा हो चुका है, उसमें नार्दानंद ऋषि आश्रम मैनपुरी, सामौर बाबाधाम फिरोजाबाद, वनखण्डेश्वर मंदिर उखरैंड, च्यवन ऋषि आश्रम मैनपुरी, राधाकृष्णन मंदिर फिरोजाबाद, प्रसिद्ध कल्याणी माता मंदिर प्रयागराज, श्रीदुर्वासा आश्रम प्रयागराज, शूलकंटेश्वर महादेव मंदिर प्रयागराज तथा श्री दशाश्वमेघ मंदिर प्रयागराज शामिल हैं। इसके अलावा पगलानंद आश्रम प्रयागराज, कमन्हिया बाबा मंदिर अयोध्या, प्राचीन शिवाला मंदिर अयोध्या, प्राचीन ज्वालादेवी मंदिर सुचितागंज सोहावल अयोध्या तथा गहनाग बाबा मंदिर अयोध्या शामिल हैं। अन्य स्थानों पर संचालित परियोजनाओं में कार्यदायी संस्थाओं द्वारा बारकोड युक्त शिलालेख लगाये जा रहे हैं।

मथुरा में काला कपड़ा ओढ़कर ज्वेलरी शोरूम में घुसा, स्ट्रांग रूम का दरवाजा तोड़ चाबियां निकालीं

7 घंटे में 14 करोड़ का सोना चुराने वाला गिरफ्तार

कार्यवाई

- चोर ज्वेलरी शोरूम से चोरी करने के बाद पैदल ही गलियों से होता हुआ चला गया।
- पुलिस जांच में पता चला कि शोरूम में काम करने वाला पूर्व कर्मचारी ही चोर है। पुलिस ने उसे पकड़ लिया है।

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा में ज्वेलरी शॉप से 7 घंटे में 10.50 किलो सोना और 15 लाख की नकदी चोरी करने वाले चोर को पुलिस ने पकड़ लिया। सोने की कीमत 14 करोड़ बताई गई है। बताया जा रहा है कि चोरी करने वाला कारोबारी का पूर्व कर्मचारी

पप्पू है। जिसे 6 महीने पहले दुकान से निकाल दिया गया था। पुलिस ने उसके पास से आठ किलो सोना और 12 लाख रुपये की नकदी बरामद की है। आरोपी दुकान में लगे सीसीटीवी की DVR अपने साथ ले गया था। यह ब्रज की सबसे बड़ी चोरी थी। वारदात के खुलासे के लिए SSP श्लोक कुमार ने 10 टीमें लगाईं थीं। पुलिस ने दुकान और उसके आसपास CCTV कैमरे खंगाले। इसमें वह कैद हो गया। दुकान से निकलकर वह कहां गया, यह जानने के लिए पुलिस ने 100 से अधिक CCTV कैमरे खंगाले।

7 घंटे में 14 करोड़ का सोना और नकदी ले गया

अमित कुमार सर्राफ बलदेवगंज में रहते हैं। उनका सर्राफा बाजार में जुगल किशोर अमित कुमार एंड संस के नाम से शोरूम है। रविवार रात उनके शोरूम में चोरी हो गई। चोर उनकी दुकान से 10.50 किलो सोना और 15 लाख की नकदी ले गया। सोने की कीमत 14 करोड़ बताई जा रही है। पुलिस ने जांच की। पुलिस जांच में पता चला कि चोर पप्पू रविवार रात करीब 9 बजे पड़ोसी दुकान की छत पर चढ़ा। फिर वह शोरूम की छत पर पहुंचा।

पुलिस ने सीसीटीवी सराफा कारोबारी को दिखाया। उन्होंने आशंका जताई कि सीसीटीवी में दिखने वाला शख्स पप्पू लग रहा है। जो दुकान में पहले काम करता था। इसके बाद पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

चोर ने खुद को काले रंग के कपड़े से ढक रखा था

पुलिस ने शोरूम के आसपास लगे कैमरे खंगाले। दुकान के सामने एक भवन में लगे सीसीटीवी कैमरे में वह कैद हो गया। जब वह शोरूम से बाहर आया तो उसके हाथ में एक पीले रंग का थैला दिखाई दिया। जिस पर शोरूम का ही नाम छपा था। साथ ही कंधे पर एक पिट्ठू बैग था। चोर ने काले रंग के कपड़े से अपने चेहरे से लेकर कमर तक का पूरा हिस्सा ढक रखा था। पुलिस ने धीरे-धीरे आगे के कैमरे खांगलने शुरू किए। शोरूम से निकल कर चोर पैदल ही गली में जाते हुए नजर आया।

पुलिस ने 100 सीसीटीवी देखे, जिसमें चोर नजर आया

पुलिस के अनुसार, चोर कबाड़ी बाजार होते हुए बलदेवगंज चौराहे से ई रिक्शा पर बैठा। फिर वह पुलिस चौकी से पहले उतरने के बाद गलियों से होकर रेलवे स्टेशन गया। चोर तक पहुंचने के लिए पुलिस ने करीब 100 सीसीटीवी देखे। पुलिस ने कोसीकलां के ही रहने वाले पप्पू को हिरासत में ले लिया गया है। सूत्रों का कहना है कि उसके पास से आठ किलो सोना और 12 लाख रुपये की नकदी बरामद हुई है।

वेंक्टेश्वरा में 12 दिवसीय गणपति उत्सव का भव्य शुभारंभ, बप्पा के जयकारों से गूंजा परिसर

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय एवं विम्स के संयुक्त तत्वावधान में 12 दिवसीय गणपति उत्सव का रविवार को भव्य शुभारंभ हुआ। गणेश चतुर्थी से शुरू हुआ यह धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन 25 सितंबर को अनंत चतुर्दशी पर गणपति विसर्जन के साथ संपन्न होगा। उत्सव के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों, भजन संध्या, आध्यात्मिक विमर्श और संगीत प्रस्तुतियों समेत एक दर्जन से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उत्सव के पहले दिन संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, डॉ. मधु चतुर्वेदी और विम्स कल्चरल कमेटी की चेयरपर्सन डॉ. सुप्रीति भटनागर सहित हजारों छात्र-छात्राओं ने ढोल-नगाड़ों और आतिशबाजी के बीच गणपति बप्पा की विशाल प्रतिमा को परिसर के इकोपार्क स्थित पूजा पंडाल में स्थापित किया। आचार्य रामनिवास शास्त्री के सानिध्य में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई।

इस मौके पर आयोजित सांस्कृतिक संध्या में विद्यार्थियों ने गणपति के भजनों और गीतों पर शानदार प्रस्तुतियां दीं। 'देवा श्री गणेश देवा', 'घर में पधारो गजानन जी', 'मोरिया रे मोरिया' और 'देवा ओ देवा' जैसे भजनों पर विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने माहौल भक्तिमय बना दिया। गणपति बप्पा के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा। संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गिरि ने कहा कि विघ्नहर्ता गणपति की आराधना से जीवन में दुख, अशांति और नकारात्मकता का नाश होता है तथा सुख, समृद्धि, आरोग्य और शांति का आगमन होता है।

फास्ट न्यूज

टीचर ने 7वीं के छात्र को पीट-पीटकर हाथ तोड़ा

आगरा। आगरा के अछनेरा स्थित ग्राम सांथा के कंपोजिट विद्यालय धर्मपुरा में कक्षा-7 के 14 वर्षीय छात्र की डंडे से पिटाई का मामला सामने आया है। छात्र के पिता का आरोप है कि वह बिना अनुमति शौच के लिए चला गया था। इसी बात पर कार्यवाहक प्रधानाचार्य मनोज कुमार ने उसे डंडे से पीटा। पिटाई में छात्र के हाथ में फ्रैक्चर हो गया। पिता का आरोप है कि घटना के बाद वह बेटे को लेकर थाने पहुंचे, लेकिन छह दिन तक FIR दर्ज नहीं हुई।

सीमा रेलवे क्रॉसिंग हमेशा के लिए बंद

अलीगढ़। अलीगढ़ में दिल्ली-हावड़ा रेलवे लाइन पर करीब 100 साल से शहर के लोगों की आवाजाही का जरिया रही सीमा रेलवे क्रॉसिंग (गेट नंबर-110) अब स्थायी रूप से बंद कर दी गई है। सोमवार को रेलवे ने क्रॉसिंग के दोनों ओर रास्ता बंद कर चहारदीवारी बनाने का काम शुरू कर दिया। काम शुरू होते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और विरोध जताया। लोगों का कहना है कि रेलवे ने फाटक तो बंद कर दिया, लेकिन आने-जाने के लिए सुविधाजनक वैकल्पिक रास्ता नहीं दिया। स्थानीय लोगों के मुताबिक यह रास्ता शहर और सिविल लाइंस के बीच आवाजाही का अहम लिंक था।

ज्वैलरी शॉप में चोरी करने वाले नहीं पकड़े गए

मथुरा। मथुरा के कोसी में सराफा कारोबारी की दुकान से 10 किलो सोने के आभूषण और 15 लाख रुपए चोरी होने के बाद पुलिस ने जांच तेज कर दी है। वारदात के खुलासे के लिए SSP श्लोक कुमार ने 4 टीमें लगाई हैं। पुलिस को पास लगे CCTV कैमरे में कंधे पर बैग लटकाए एक संदिग्ध नजर आया है। उसकी पहचान और भूमिका की जांच की जा रही है। सोमवार देर रात DIG शैलेश पांडे भी कोसी पहुंचे।

140 से ज्यादा की तलाश बाकी, एसएसपी ने अवार्ड देकर किया सम्मानित

33 पुलिसकर्मियों ने खोजे 57 लापता हिस्ट्रीशीटर

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़। जिले में लंबे समय से लापता चल रहे हिस्ट्रीशीटरों की तलाश के लिए एसएसपी नीरज जादौन की पहल का असर अब पुलिस की कार्रवाई में दिखने लगा है। अभियान के तहत 33 पुलिसकर्मियों ने 57 लापता हिस्ट्रीशीटरों को तलाशकर उनका सत्यापन कराया है। इन पुलिसकर्मियों को नगद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। अलीगढ़ में करीब 2 हजार हिस्ट्रीशीटर पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज हैं। इनमें करीब 200 ऐसे थे, जिनका लंबे समय से सत्यापन नहीं हो पा रहा था। इनके वर्तमान ठिकाने और गतिविधियों की जानकारी नहीं होने से पुलिस के लिए इनकी निगरानी चुनौती बनी हुई थी।

57 हिस्ट्रीशीटरों का सत्यापन कराने वाले 33 पुलिसकर्मियों को एसएसपी ने नगद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि हिस्ट्रीशीटरों का नियमित सत्यापन पुलिसिंग का जरूरी हिस्सा है। इससे यह जानकारी रहती है कि संबंधित व्यक्ति कहां रह रहा है और उसकी वर्तमान गतिविधियां क्या हैं। जिले में करीब 200 लापता हिस्ट्रीशीटरों की पहचान हुई थी। इनमें से 57 का सत्यापन होने के बाद अब करीब 140 से ज्यादा हिस्ट्रीशीटरों की तलाश बाकी है। पुलिस का अभियान जारी है। इनकी तलाश पूरी होने के बाद हिस्ट्रीशीटरों की निगरानी व्यवस्था और मजबूत होने की उम्मीद है।

हर हिस्ट्रीशीटर की तलाश पर 1 हजार रुपए पुरस्कार

एसएसपी नीरज जादौन ने पिछले सप्ताह लापता हिस्ट्रीशीटरों की तलाश करने वाले पुलिसकर्मियों को प्रोत्साहित करने के लिए घोषणा की थी।

उन्होंने कहा था कि जो पुलिसकर्मी किसी लापता हिस्ट्रीशीटर को तलाशकर उसका सत्यापन कराएगा, उसे 1 हजार रुपए नगद और प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा।

इसके बाद थाना पुलिस और बीट पुलिसकर्मियों ने पुराने रिकॉर्ड खंगालने के साथ स्थानीय स्तर पर जानकारी जुटाई। संबंधित इलाकों में पूछताछ के बाद 57 हिस्ट्रीशीटरों का पता लगाया गया और उनका सत्यापन कराया गया।

एसएसपी ने पुलिसकर्मियों को आगे भी इसी तरह सक्रिय रहकर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया।

73 श्रद्धालुओं को लेकर खाटू श्याम धाम रवाना हुई 'श्याम रथ यात्रा'

डॉ. राजेश्वर सिंह ने दिखाई हरी झंडी, बोले- हर दो माह धार्मिक यात्राओं के आयोजन का प्रयास

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर सरोजनीनगर के सेक्टर-के, आशियाना स्थित आवास से 73 श्रद्धालुओं की 'श्याम रथ यात्रा' को सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने हरी झंडी दिखाकर राजस्थान स्थित खाटू श्याम धाम के लिए रवाना किया। श्रद्धालुओं की सुविधा और यात्रा को सुगम बनाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। डॉ. राजेश्वर सिंह ने बताया कि 22 अप्रैल को आयोजित धर्म उत्सव के दौरान भजन सम्राट कन्हैया मित्तल ने खाटू श्याम धाम की धार्मिक यात्रा आयोजित कराने का आग्रह किया था। उनके इस आग्रह को संकल्प के रूप में लिया गया था, जिसे अब साकार किया गया है। उन्होंने कहा कि यह केवल धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं की आस्था और भावनाओं के सम्मान का सेवा-संकल्प है।

उन्होंने कहा कि सरोजनीनगर के परिवारों को तीर्थ और आध्यात्मिक स्थलों से जोड़ने का प्रयास लगातार जारी है। पिछले चार वर्षों में रामरथ श्रवण यात्रा के माध्यम से 8,500 से अधिक श्रद्धालुओं को अयोध्या में प्रभु श्रीराम के दर्शन का अवसर मिला है। वहीं, सिख समाज के श्रद्धालुओं के लिए करतारपुर साहिब की यात्रा भी आयोजित की जा चुकी है। अब बाबा खाटू श्याम के भक्तों के लिए श्याम रथ यात्रा शुरू की गई है। प्रयास है कि हर दो माह में धार्मिक यात्राओं का आयोजन किया जाए। डॉ. सिंह ने कहा कि तीर्थ यात्रा केवल किसी धार्मिक स्थल तक पहुंचने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्ति के भीतर सकारात्मक परिवर्तन की यात्रा भी है। दर्शन के बाद विचारों में सकारात्मकता, आचरण में सुधार और चरित्र में परिवर्तन आए, तभी तीर्थ यात्रा सार्थक मानी जाएगी। उन्होंने बताया कि सनातन संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए सरोजनीनगर में अब तक 300 से अधिक मंदिरों का पुनरोद्धार, जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण कराया गया है। लक्ष्य है कि क्षेत्र के प्रत्येक मंदिर को भव्य एवं दिव्य स्वरूप देने के साथ वहां स्वच्छता, रंग-रोगन, हैंडपंप, बैठने की व्यवस्था और श्रद्धालुओं के लिए शेड जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। डॉ. राजेश्वर सिंह ने बताया कि आगामी नवंबर में भजन सम्राट कन्हैया मित्तल का कार्यक्रम भी सरोजनीनगर में आयोजित कराने का प्रयास किया जाएगा।

एमआईईटी में एसआईएच-2026 का फाइनल राउंड सफलतापूर्वक संपन्न, 68 टीमों ने दिखाया नवाचार

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एमआईईटी) में स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन (SIH)-2026 का फाइनल राउंड सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। संस्थान में आयोजित फाइनल राउंड में चयनित 68 टीमों ने विभिन्न तकनीकी एवं नवाचार आधारित क्षेत्रों की वास्तविक समस्याओं के समाधान प्रस्तुत किए। SIH-2026 के लिए संस्थान में 350 से अधिक टीमों ने पंजीकरण कराया था, जिसके बाद गहन मूल्यांकन के आधार पर 68 टीमों का फाइनल राउंड के लिए चयन किया गया। फाइनल राउंड में प्रतिभागी टीमों ने कृषि, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, पशु विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स, आर्टिफि-शियल इंटेलिजेंस (AI) और मशीन लर्निंग (ML) सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी समस्याओं के अभिनव समाधान और प्रोटोटाइप प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों

ने अपनी तकनीकी दक्षता, रचनात्मक सोच और समस्या-समाधान क्षमता का प्रभावी प्रदर्शन किया। फाइनल मूल्यांकन के लिए विभिन्न क्षेत्रों से उद्योग विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया। विशेषज्ञों ने टीमों द्वारा विकसित समाधानों, तकनीकी मॉडल और प्रोटोटाइप का गहन मूल्यांकन किया। मूल्यांकन पैनल में Hexaview के आकाश पनवार, AON के गौरव गोस्वामी, Fetch AI के देव चौहान और Mindbody के समर्थ आनंद शामिल रहे। इस अवसर पर संस्थान के चेयरमैन विष्णु शरण और वाइस चेयरमैन गौरव अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। डायरेक्टर डॉ संजय कुमार सिंह तथा डीन एकेडमिक्स डॉ संजीव कुमार सिंह ने प्रतिभागी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें नवाचार और तकनीकी उत्कृष्टता की दिशा में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कन्वीनर डॉ. स्वाति शर्मा, विभागाध्यक्ष, आईटी विभाग, SPOC डॉ. मुकेश रावत, ISTE कोऑर्डिनेटर राहुल शिवहरे तथा ISTE, MIET Student Chapter के सभी सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। SIH-2026 के फाइनल राउंड ने विद्यार्थियों को वास्तविक समस्याओं पर काम करने, अपने तकनीकी कौशल को प्रदर्शित करने और नवाचार को समाधान में बदलने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों में खासा उत्साह देखने को मिला।

कुत्तों के झुंड ने बच्चे को 10 जगह नोचा

आगरा में पार्क में खेल रहा था, 3 मीटर तक घसीट ले गए, दादी ने डंडा मारकर बचाया

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा के ताजनगरी फेस-2 स्थित एडीए हाइट्स सोसायटी में सोमवार शाम आवारा कुत्तों ने 4 साल के बच्चे पर हमला कर दिया। पार्क में खेल रहे मासूम को कुत्तों के झुंड ने गिराकर नोंचा और 3 मीटर तक घसीटा। पास खड़ी दादी ने डंडा मारकर किसी तरह कुत्तों को भगाया और बच्चे की जान बचाई। हमले में बच्चे की पीठ, हाथ और पैर पर गहरे जख्म आए हैं। परिजन बच्चे को लहूलुहान हालत में एसएन मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने उपचार के बाद करीब दो घंटे में उसे डिस्चार्ज कर दिया। घटना के बाद सोसायटी के लोगों में दहशत और आक्रोश है। हमले के बाद रुद्रांश को परिजन एसएन मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी लेकर पहुंचे। बच्चे के पीठ, हाथ और पैर पर कुत्तों के काटने और नोंचने के जख्म थे। चिकित्सकों ने उसका उपचार किया। करीब दो घंटे बाद बच्चे को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

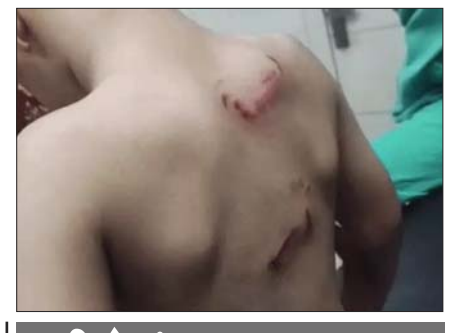

दादी ने डंडा मारकर छुड़ाया

हेमलता गौतम ने बताया कि बच्चा छोटा होने के कारण कुत्तों से खुद नहीं बच सका। चार कुत्ते उसे नोंचने लगे और घसीटते रहे। उन्होंने डंडा मारकर कुत्तों को भगाया, तब जाकर बच्चे को उनसे छुड़ाया जा सका। हेमलता का आरोप है कि इससे पहले भी कुत्ते बच्चों पर हमला कर चुके हैं।

पार्क में खेल रहा था मासूम, अचानक झपटे कुत्ते

राहुल गौतम पैकिंग मटेरियल का कारोबार करते हैं और एडीए हाइट्स में परिवार के साथ रहते हैं। सोमवार शाम करीब 7 बजे उनका 4 वर्षीय बेटा रुद्रांश गौतम सोसायटी के पार्क में अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था। उसकी दादी हेमलता गौतम भी पास में मौजूद थीं। इसी दौरान बेसमेंट की ओर से 3-4 कुत्ते आए और रुद्रांश पर झपट पड़े। कुत्तों ने बच्चे को जमीन पर गिरा दिया और उसे नोंचने लगे। इसके बाद उसे कई मीटर तक घसीटते हुए ले गए।

रुद्रांश के पिता राहुल गौतम का कहना है कि हमला करने वाले कुत्ते सोसायटी के बाहर से आते हैं और अक्सर बेसमेंट में बैठते हैं।

उनका आरोप है कि कुत्तों को पकड़वाने के लिए नगर निगम से कई बार शिकायत की गई, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई।

घटना के बाद सोसायटी के लोगों में नाराजगी है। लोगों ने नगर निगम से आवारा कुत्तों को पकड़ने और सोसायटी में बच्चों की सुरक्षा के लिए प्रभावी व्यवस्था करने की मांग की है।

पृष्ठ 01 का शेष...

योगी कैबिनेट ने 23...

नई नियमावली में नियुक्ति, सेवा शर्तों, पदोन्नति, अर्हता तथा वरिष्ठता सहित अन्य प्रशासनिक प्रावधानों का भी समावेश किया गया है। प्रमुख सचिव पर्यटन, अमृत अभिजात ने कहा कि यह नियमावली पर्यटन विभाग में एक समन्वित, सक्षम व आधुनिक सेवा संरचना सुनिश्चित करेगी। राज्य सरकार का मानना है कि इन सुधारों से प्रदेश में पर्यटन विकास को नई गति मिलेगी और प्रशासनिक दक्षता में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि अब सरकार नई प्रणाली लागू कर रही है, जिसमें साफ व्यवस्था होगी कि नियुक्त खिलाड़ी जब भी किसी राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता, कैंप या प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लें, वह अवधि सेवा अवधि (ड्यूटी) मानी जाएगी। इसमें आने-जाने का पूरा समय भी शामिल होगा। इससे न केवल खिलाड़ियों को अपने खेल करियर में आगे बढ़ने का मौका मिलेगा, बल्कि राज्य का प्रतिनिधित्व भी और मजबूत होगा, क्योंकि अब उन्हें अनुमति लेने में कोई बाधा नहीं आएगी। वन एवं पर्यावरण विभाग के मुताबिक केंद्र सरकार ने इस साल जनवरी में शुल्कों के दरें फिर से तय करने के निर्देश दिए थे। शुल्क की सात श्रेणियां तय की गई हैं। हर दो साल में दरों में 10 प्रतिशत का इजाफा किया जा सकता है। उद्योगों की लागत के मुताबिक शुल्क की न्यूनतम व अधिकतम सीमाएं तय की गई हैं। वहीं, प्रदूषण के स्तर को तीन हिस्से में बांटा गया है, हरा, नारंगी और लाल और इसके मुताबिक शुल्क का निर्धारण किया गया है। जल और वायु अधिनियम के मुताबिक अलग-अलग शुल्क तय किए गए हैं। 1000 करोड़ से ज्यादा का निवेश करने वाले सभी उद्योगों को अब एक स्लैब में लाया गया है। पहले 1000 करोड़ रुपये का निवेश करने वाले उद्योगों को एनओसी के लिए 1.5 लाख रुपये जमा करने होते थे और 75 हजार रुपये सालाना नवीनीकरण शुल्क था। अब उन्हें प्रदूषण का स्तर हरा होने पर 1.5 लाख, नारंगी होने पर 1.72 लाख और लाल होने पर 1.95 लाख रुपये होगा। इतना ही नवीनीकरण शुल्क भी हर साल लगेगा। चंदौली-सकलडीहा-सैदपुर मार्ग अब चार लेन का होगा। मंगलवार को योगी कैबिनेट ने इसकी मंजूरी दे दी है। चार लेन के इस राज्य मार्ग की लंबाई तकरीब 30 किलोमीटर होगी। इसमें 491.47 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। चंदौली जिला में चंदौली-सकलडीहा-सैदपुर मार्ग चंदौली जिले को गाजीपुर से जोड़ने वाला अहम मार्ग है। यह मार्ग गाजीपुर, जौनपुर, आजमढ़ और बलिया जाने के लिए वाराणसी शहर के बाईपास के रूप में इस्तेमाल होता है। यह रास्ता चार लेन चौड़ा होने से यातायात सुगम होगा। इससे क्षेत्र का सर्वांगीण विकास होगा। कानपुर के सिविल लाइन्स स्थित दि जार्जिना मैकराबर्ट मेमोरियल हॉस्पिटल की 45 हजार वर्ग मीटर नजूल भूमि को पीपीपी आधार पर मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल बनाने के लिए कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) को हस्तांतरित किया जाएगा। यह हस्तांतरण कोर्ट के आदेश के अनुपालन में किया गया है। कैबिनेट ने इस हस्तांतरण प्रस्ताव को भविष्य में दृष्टांत के तौर पर इस्तेमाल न किए जाने की भी सहमति दी है। जेलों में अब जाति के आधार पर श्रम कार्य नहीं बांटे जाएंगे। अभी तक जाति के आधार पर श्रम कार्य बांटे जा रहे थे। अब इन पर रोक लगा दी जाएगी। जेल मैनुअल में इस बदलाव का प्रस्ताव भी लागू कर दिया गया है। वर्ष 2023 में सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका इसको लेकर डाली गई थी कि जेल मैनुअल में जाति के आधार पर काम दिए जाने पर रोक लगाई जाए। इस पर तीन अक्तूबर, 2024 को कोर्ट ने देश के सभी राज्यों को इस नियम में बदलाव करने को कहा था। इसके लिए कोर्ट ने सभी राज्यों को तीन महीने का समय दिया था। अभी तक की व्यवस्था में बंदियों को जाति के आधार पर श्रम आवंटन, बैरकों का पृथक्करण किया जाता रहा है। कैबिनेट में उत्तर प्रदेश जेल मैनुअल (प्रथम संशोधन), 2025 के प्रस्ताव को पास कर दिया गया। राज्य सरकार उत्तर प्रदेश में निवेश करने वाली तीन कंपनियों को प्रोत्साहन राशि देगी।मुख्य सचिव के अध्यक्षता में गठित उच्च स्तरीय समिति की बैठक में इन कंपनियों को प्रोत्साहन राशि देने का फैसला हुआ था। इसके आधार पर कैबिनेट मंजूरी के लिए प्रस्ताव रखा गया। इसके मुताबिक मेरठ में स्थापित मेसर्स पसवारा पेपर्स लिमिटेड को विस्तारीकरण के लिए 1,50,15,711 रुपये, मेसर्स केआर पल्प एंड पेपर्स लिमिटेड शाहजहांपुर 56,39,785 रुपये और मेसर्स बृंदावन एग्रो इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड को इकाई के विस्तार के लिए 17,06,26,256 रुपये की राशि जारी की जाएगी। कैबिनेट ने मंगलवार को सौभाग्य और ग्राम्य ज्योति योजना की सीएजी रिपोर्ट शीतकालीन सत्र में रखे जाने को मंजूरी दे दी। इस प्रस्ताव को राज्यपाल के पास अनुमति के लिए भेजा जाएगा, जहां से मंजूरी मिलने के बाद इसे विधानमंडल के पटल पर रखा जाएगा। सरकार ने वाराणसी में निर्माणाधीन डॉ. सम्पूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम, सिगरा के संचालन, प्रबंधन और रखरखाव तथा राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना के लिए 'भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के साथ हुए एमओयू को मंजूरी दे दी है। यह वही स्टेडियम है, जहां 'खेलो इंडिया' योजना के तहत आधुनिक स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया गया है।

दो हजार रुपये से...

हालांकि यह शुल्क ग्राहक से नहीं, बल्कि संबंधित कारोबारी से लिया जाएगा। जानकारी के मुताबिक 2,000 रुपये से अधिक के UPI लेनदेन पर लगने वाला शुल्क ट्रांजैक्शन की राशि के आधार पर तय होगा। इसमें अधिकतम शुल्क की सीमा 300 रुपये तक रखे जाने की बात कही गई है। यानी हर ट्रांजैक्शन पर एक समान 300 रुपये का शुल्क नहीं लगेगा, बल्कि भुगतान की राशि के हिसाब से शुल्क निर्धारित होगा। इस व्यवस्था का सीधा असर ग्राहकों पर नहीं पड़ेगा। UPI के माध्यम से भुगतान करने वाले ग्राहक से अलग से कोई चार्ज नहीं लिया जाएगा। शुल्क का बोझ कारोबारियों पर पड़ने की बात कही गई है। वित्त मंत्रालय की ओर से स्पष्ट किया गया है कि 2,000 रुपये तक के UPI पेमेंट पर किसी तरह का शुल्क नहीं लिया जाएगा। इसका मतलब है कि छोटे डिजिटल भुगतान पहले की तरह बिना अतिरिक्त शुल्क के किए जा सकेंगे। ग्राहक दुकानों, कारोबारियों या अन्य स्थानों पर UPI के जरिए 2,000 रुपये तक का भुगतान करते हैं तो इसके लिए उन्हें अलग से कोई फीस नहीं देनी होगी। इस व्यवस्था में RuPay डेबिट कार्ड से किए जाने वाले पेमेंट को भी छूट के दायरे में शामिल किया गया है। यानी 2,000 रुपये तक के ऐसे भुगतान पर भी ग्राहक और कारोबारी से शुल्क नहीं लिया जाएगा। इससे छोटे डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने और डिजिटल भुगतान व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। दरअसल, अगस्त में संसद से टैक्सेशन एंड अदर लॉज (अमेंडमेंट) एक्ट, 2026 पारित होने के बाद UPI पेमेंट पर शुल्क को लेकर चर्चा तेज हो गई थी। इसके बाद अलग-अलग स्तर पर UPI लेनदेन पर चार्ज लगाए जाने की खबरें सामने आने लगी थीं।

एनडीए के 3...

अब इन राज्यों में राष्ट्रपति की मंजूरी और अधिसूचना जारी होने का इंतजार है। महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ ने UCC का कानून तैयार करने के लिए समितियां गठित की हैं। लोकसभा में TDP नेता लावू कृष्ण देवरायुलु ने कहा कि पार्टी UCC का समर्थन करेगी। उन्होंने कहा कि इसे लागू करने से पहले सभी संबंधित पक्षों से बातचीत की जाएगी। फिलहाल इस मुद्दे पर कोई चर्चा नहीं हुई है। TDP और JDU पहले UCC से जुड़े कानून का विरोध कर चुके हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद TDP के NDA में शामिल होने से पहले चंद्रबाबू नायडू ने कहा था कि UCC के मुद्दे पर पार्टी मुस्लिम समुदाय के साथ खड़ी रहेगी। जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि अगर भाजपा के पास संसद में UCC बिल पास कराने के लिए पर्याप्त संख्या है तो उसे वहीं बिल पेश करना चाहिए। इसे अलग-अलग राज्यों के जरिए लागू करने की कोशिश क्यों की जा रही है।

आकिब और वहाब हटाए जा सकते हैं, इंग्लैंड से टेस्ट में क्लीन स्वीप का असर
चीफ कोच के बाद सिलेक्टर हटाने की तैयारी में पाकिस्तान

बदलाव

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 0-3 से क्लीन स्वीप झेलने के बाद बड़े बदलाव में जुट गया है। बोर्ड 7 खिलाड़ी और चीफ कोच सरफराज अहमद को सीरीज के बीच में ही हटा चुका है। अब सीनियर सिलेक्टर आकिब जावेद भी हटाए जा सकते हैं। PTI सूत्रों के मुताबिक बोर्ड अध्यक्ष मोहसिन नकवी बदलावों को लेकर अपने सहयोगियों और PCB गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों के साथ बैठक करेंगे। बैठक के बाद चयन समिति और कोचिंग स्टाफ में बदलाव पर अंतिम फैसला लिया जाएगा। विमेंस टीम के मेंटॉर वहाब रियाज को भी कोचिंग स्टाफ से हटाया जा सकता है। वहाब पर फैसला जापान में होने वाले एशियन गेम्स के बाद लिया जा सकता है। PCB ने इंग्लैंड दौरे पर दूसरा टेस्ट हारने के बाद सात खिलाड़ियों को रिलीज कर दिया था। इनमें मोहम्मद रिजवान, इमाम-उल-हक, सलमान अली आगा, अली उस्मान, आमिर जमाल, मुहम्मद अवैस जफर और खुर्रम शहजाद शामिल थे। बोर्ड ने मुख्य कोच सरफराज अहमद और बॉलिंग कोच उमर गुल को भी रिलीज कर दिया था। उनकी जगह माइक हेसन को मुख्य कोच और एशले नॉफ्के को गेंदबाजी कोच बनाया गया है।

विदेशी कोच से भी बातचीत

सूत्रों के अनुसार, PCB वहाब रियाज और मौजूदा कोचिंग स्टाफ की जगह कुछ विदेशी कोच से भी बातचीत कर रहा है। बोर्ड सपोर्ट स्टाफ को ज्यादा पेशेवर बनाने की दिशा में काम करना चाहता है।

सरफराज अहमद को हटाए जाने के बाद न्यूजीलैंड के माइक हेसन पाकिस्तानी टेस्ट टीम का कोच बनने की रेस में आगे चल रहे हैं। वे अभी वनडे और टी-20 टीम के कोच हैं। हालांकि, वे रेड-बॉल क्रिकेट में सुधार के लिए पर्याप्त समय चाहते हैं। उन्होंने अपने फैसलों में बाहरी दखल नहीं होने की शर्त रखी है, जिसे मानना बोर्ड के लिए आसान नहीं होगा।

माइक हेसन को इंग्लैंड दौरे के दौरान पाकिस्तान टेस्ट टीम के अंतरिम हेड कोच बनाया गया था।

आकिब पर विवादित फैसलों की जिम्मेदारी

पाकिस्तान क्रिकेट में पिछले दो साल में टीम चयन, कप्तानी और कोचिंग स्टाफ में हुए बदलाव में सीनियर सिलेक्टर आकिब जावेद की भूमिका रही। इंग्लैंड दौरे पर सीरीज के बीच में भी उनके इशारे पर बदलाव हुए। इन सबसे आकिब पर सवाल उठने लगे हैं। टीम के खराब प्रदर्शन के बाद बोर्ड किसी और को यह जिम्मेदारी सौंप सकता है।

वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप के इतिहास में सबसे युवा प्लेयर्स भिड़ेंगे
22 नवंबर से 12 दिसंबर तक जेनेवा में मुकाबला होगा

नई दिल्ली, एजेंसी

गुकेश और सिंदारोव के बीच चेस वर्ल्ड चैंपियनशिप का फाइनल खेला जाएगा। यह फाइनल इतिहास में सबसे कम उम्र के खिलाड़ियों के बीच होगा। गुकेश मई में 20 साल के हो गए हैं, जबकि सिंदरोव 19 साल के हैं।

इंटरनेशनल चेस फेडरेशन (FIDE) ने 2026 वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप का शेड्यूल जारी कर दिया है। डिफेंडिंग चैंपियन डी गुकेश और उज्बेकिस्तान के चैलेंजर जावोखिर सिंदारोव के बीच मुकाबला 22 नवंबर से 12 दिसंबर तक स्विट्जरलैंड के जेनेवा में खेला जाएगा। चैंपियनशिप का आयोजन जेनेवा के कोलोग्नी स्थित फाउंडेशन मार्टिन बोडमर में होगा। 22 नवंबर को मीडिया डे और ओपनिंग सेरेमनी आयोजित की जाएगी।

पहला क्लासिकल गेम 24 नवंबर को खेला जाएगा। आखिरी निर्धारित क्लासिकल गेम 11 दिसंबर को होगा। जरूरत पड़ने पर 12 दिसंबर को टाईब्रेक मुकाबले खेले जाएंगे।

गुकेश ने दिसंबर 2024 में चीन के डिंग लिरेन को हराकर वर्ल्ड चैंपियन का खिताब जीता था। वह 18 साल की उम्र में वर्ल्ड चैंपियन बनने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने थे। जेनेवा में वह पहली बार अपने खिताब का बचाव करेंगे। सिंदारोव ने 2026 FIDE कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर चुनौती पेश की है। इससे पहले वह 2025 FIDE वर्ल्ड कप भी जीत चुके हैं। वह वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाई करने वाले उज्बेकिस्तान के पहले खिलाड़ी हैं।

बाबर सात साल बाद डोमेस्टिक फर्स्ट क्लास क्रिकेट में लौटेंगे
प्रेसिडेंट्स ट्रॉफी में खेलेंगे, पाकिस्तान बोर्ड से खुद किया था रिक्वेस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान बाबर आजम सात साल बाद डोमेस्टिक फर्स्ट क्लास क्रिकेट में लौटेंगे। वह जारी प्रेसिडेंट्स ट्रॉफी ग्रेड-1 टूर्नामेंट में ऑयल एंड गैस डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड के लिए खेलेंगे।

बाबर को OGDCL ने गेस्ट प्लेयर के तौर पर टीम में शामिल किया है। उन्होंने लंबे फॉर्मेट की लय बनाए रखने के लिए PCB से टीम में शामिल करने का अनुरोध किया था। बाबर ने दिसंबर 2022 के बाद टेस्ट क्रिकेट में शतक नहीं लगाया है। उनका टेस्ट औसत 2023 से 30.43 रहा है।

उन्होंने इस दौरान 39 पारियों में सिर्फ आठ अर्धशतक लगाए हैं। इनमें से चार अर्धशतक उनके पिछले पांच टेस्ट में आए हैं। इस दौरान उनका बेस्ट स्कोर 88 रन है, जो उन्होंने पिछले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में बनाया था।

खराब फॉर्म के बावजूद बाबर आजम घरेलू फर्स्ट क्लास क्रिकेट से दूर रहे। पिछले सप्ताह PCB ने इस सीजन की प्रेसिडेंट्स ट्रॉफी और प्रेसिडेंट्स कप के लिए टीमों का ऐलान किया था। बाबर को किसी भी टीम में जगह नहीं मिली।

बाबर ने आखिरी बार 2019 में घरेलू फर्स्ट क्लास मैच खेला था। तब वह अब बंद हो चुकी सेंट्रल पंजाब टीम के कप्तान थे। सेंट्रल पंजाब ने फाइनल में नॉर्दर्न को हराकर कायदे-आजम ट्रॉफी जीती थी। उस सीजन बाबर का यह सिर्फ दूसरा घरेलू फर्स्ट क्लास मैच था। 2015 के बाद 2019 उनका पहला और इकलौता सीजन था, जब उन्होंने एक से ज्यादा घरेलू फर्स्ट क्लास मैच खेले। बाबर का घरेलू फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेलने का फैसला इस सीजन प्रेसिडेंट्स ट्रॉफी में कई इंटरनेशनल क्रिकेटरों के खेलने के बाद आया है। इनमें शाहीन शाह अफरीदी और सलमान आगा के नाम शामिल हैं। पाकिस्तान के टेस्ट क्रिकेट और ICC टूर्नामेंट में हाल के खराब प्रदर्शन के बाद रेगुलर खिलाड़ियों के घरेलू फर्स्ट क्लास टूर्नामेंट खेलने की मांग उठती रही है।

दिल्ली में कैंप, युवराज सिंह, अमित मिश्रा और चामिंडा वास ने घरेलू खिलाड़ियों का ट्रायल लिया
दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2027 की तैयारी शुरू की

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली कैपिटल्स ने IPL 2027 की तैयारी शुरू कर दी है। फ्रेंचाइजी ने दिल्ली के एयरोसिटी में शॉर्ट कैंप और ट्रायल्स आयोजित किए। इसमें घरेलू खिलाड़ियों को मैच जैसे हालात में प्रदर्शन का मौका दिया गया। कैंप में युवराज सिंह और अमित मिश्रा ने खिलाड़ियों को ट्रेनिंग दी। श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज चामिंडा वास भी कैंप में शामिल हुए। उन्हें टीम का नया फास्ट-बॉलिंग कोच बनाए जाने की संभावना है। हालांकि, फ्रेंचाइजी ने अभी इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की है। दिल्ली कैपिटल्स ने पिछले महीने बेंगलुरु की जस्ट क्रिकेट एकेडमी में भी कैंप लगाया था। उसमें अच्छा प्रदर्शन करने वाले कई खिलाड़ियों को दिल्ली के ट्रायल्स में दोबारा मौका मिला। फ्रेंचाइजी घरेलू खिलाड़ियों में से अच्छे खिलाड़ियों को चुनना चाहती है। टीम साल के अंत में होने वाली मिनी नीलामी से पहले अपने खिलाड़ियों की सूची मजबूत करना चाहती है। दिल्ली कैपिटल्स के को-ओनर JSW और GMR के बीच हुए समझौते के तहत टीम का संचालन हर दो साल में बदलता है। IPL 2027 और 2028 के लिए क्रिकेट संचालन की जिम्मेदारी JSW के पास रहेगी। दिल्ली की टीम 2025 और 2026 में प्लेऑफ में नहीं पहुंच सकी थी। ऐसे में नए कैंप और संभावित कोचिंग बदलाव के जरिए फ्रेंचाइजी अगले सीजन में बेहतर प्रदर्शन की तैयारी कर रही है।

नए कोचिंग स्टाफ की तैयारी

दिल्ली कैपिटल्स के कोचिंग सेटअप में बड़े बदलाव की तैयारी है। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली को हेड कोच की जिम्मेदारी मिलने की चर्चा है। युवराज सिंह को बैटिंग कोच बनाया जा सकता है। अमित मिश्रा स्पिन विभाग संभाल सकते हैं।

वास और मिश्रा पहले ही दिल्ली में एकेडमी के खिलाड़ियों के साथ काम कर रहे हैं। वास के पास श्रीलंका की टीम और अलग-अलग फ्रेंचाइजी के साथ कोचिंग का अनुभव है। अमित मिश्रा पहली बार IPL में कोचिंग भूमिका में नजर आएंगे।

मनोरंजन

बैकफुट पर गई अक्षय कुमार की हैवान
हनुमान अंश की वजह से चौथे दिन ही बॉक्स ऑफिस पर हुआ बंटाधार

नई दिल्ली। भूत बंगला की सफलता के बाद अभिनेता अक्षय कुमार ने निर्देशक प्रियदर्शन संग फिल्म हैवान के जरिए सिनेमाघरों में वापसी की। माना जा रहा था सैफ अली खान संग अक्षय की 18 साल बाद वापसी फैंस को रास आएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ है और बॉक्स ऑफिस पर साइको थ्रिलर हैवान (Haiwaan) को खराब शुरुआत मिली। इस बीच हैवान को सबसे बड़ा झटका रिलीज के चौथे दिन लगा और मूवी कमाई में भारी गिरावट दर्ज हुई है। ऐसे में आइए जानते हैं कि सोमवार को हैवान ने कितनी कमाई की है। फिल्म हैवान को क्रिटिक्स और ऑडियंस की तरफ से मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला है। रिलीज के पहले दिन पर महज 3 करोड़ का कारोबार करने वाली अक्षय कुमार और सैफ अली खान की इस लेटेस्ट फिल्म ने दोनों कलाकारों के स्टारडम पर सवाल उठा दिए हैं। ओपनिंग के बाद हैवान को बॉक्स ऑफिस पर वापसी का मौका नहीं मिला और फिल्म की कमाई स्तर नीचे की तरफ गिरता चला गया। गौर करें हैवान की रिलीज के चौथे दिन की कमाई की तरफ तो सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार मंडे को इस मूवी ने महज 70 लाख का कारोबार किया है, जो अक्षय कुमार और सैफ अली

खान जैसे बड़े कलाकारों से सजी इस साइको थ्रिलर फिल्म के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। कमाई के इन आंकड़ों को देखकर ये साफ कहा जा सकता है कि बॉक्स ऑफिस पर हैवान का बंटाधार हो गया है।

बात की जाए हैवान के चार दिन के टोटल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के बारे में तो आंकड़ा महज 8 करोड़ के करीब पहुंच सका है। इस तरह से अक्षय और सैफ की ये फिल्म मंडे टेस्ट में बुरी तरह से फेल हो गई है।

हैवान की इस खराब कमर्शियल परफॉर्मेंस का सबसे बड़ा कारण फिल्म हनुमान अंश को माना जा रहा है। जिस तरह से नीम करोली बाबा की बायोपिक फिल्म महीनेभर बाद भी सिनेमाघरों में दर्शकों की पहली पसंद बनी हुई है, उसके आगे कोई भी नहीं टिक पा रहा है। इस वजह से कही न कहीं हैवान भी असफलता की भेंट चढ़ गई है।

हनुमान अंश मेकर्स की अगली फिल्म राम बोला पर विवाद
एक ही टॉपिक पर एक साथ दो फिल्में अनाउंस

मुंबई। फिल्म हनुमान अंश डायरेक्ट करने वाले डॉक्टर विशाल चतुर्वेदी ने गणेश चतुर्थी के अवसर पर अगली फिल्म राम बोला की घोषणा की है। उनकी ये फिल्म महाकवि तुलसीदास की जिंदगी पर आधारित होगी, लेकिन इसी दिन, इसी टाइटल पर दूसरी फिल्म की भी घोषणा हो गई, जिससे दो मेकर्स के बीच टाइटल का विवाद शुरू हो गया है। डायरेक्टर विशाल चतुर्वेदी ने प्रोडक्शन हाउस महावीर जैन के साथ राम बोला अनाउंस की। इसी समय डॉक्टर चंद्रप्रकाश द्विवेदी ने भी फिल्म राम बोला की घोषणा की। पोस्ट में बताया गया कि इसे चंद्रप्रकाश द्विवेदी डायरेक्ट करेंगे, जबकि मधु मंटेना और मंदिरा द्विवेदी इसे प्रोड्यूस करेंगी।

एक ही टाइटल और एक ही टॉपिक पर दो फिल्में अनाउंस होने पर विवाद हो गया। इस विवाद पर महावीर जैन से जुड़े एक करीबी सूत्र से बातचीत में कहा है कि फिल्म राम बोला का टाइटल डॉक्टर विशाल चतुर्वेदी के नाम पर रजिस्टर है। वह कुछ समय पहले महावीर जैन के पास इस फिल्म का आइडिया लेकर पहुंचे थे, जिसके बाद इस फिल्म पर काम शुरू हुआ। फिल्म बनाने के राइट्स विशाल चतुर्वेदी और महावीर जैन प्रोडक्शन के पास हैं।

तिलक लगवाकर फूल अर्पण किए, सिद्धार्थ-कियारा ने भी दर्शन किए, राधिका मर्चेंट की भक्तिमय परफॉर्मेंस
सलमान खान ने एंटीलिया में लिया बप्पा का आशीर्वाद

नई दिल्ली। सलमान खान अंबानी परिवार के गणपति सेलिब्रेशन का हिस्सा बने हैं। इस दौरान उन्होंने बप्पा का आशीर्वाद लिया और भगवान को फूल अर्पण किए। एंटीलिया में हुए गणपति सेलिब्रेशन की शुरुआत में राधिका मर्चेंट ने भक्तिमय प्रस्तुति दी। सलमान खान ने नए लुक के साथ एंटीलिया में एंट्री ली और तस्वीरें क्लिक कराईं। कुछ देर बाद उन्होंने गणपति प्रतिमा के सामने जाकर आशीर्वाद लिया। पंडित जी ने उन्हें तिलक लगाया और पटका पहनाया। आगे सलमान ने गणपति बप्पा को पुष्प अर्पित किए। गणपति बप्पा के स्वागत के लिए एंटीलिया गेंदे के फूलों, शानदार लाइटिंग और त्योहारों वाली सजावट से जगमगा उठा। इस मौके पर नीता अंबानी, राधिका मर्चेंट, अनंत अंबानी और मुकेश अंबानी गणपति बप्पा का स्वागत करते नजर आए।

राधिका ने लाल साड़ी के साथ हेवी जूलरी पहनी थी।

गणपति पूजा में साथ दिखा अंबानी परिवार

इस सेलिब्रेशन से पहले अंबानी परिवार में पूजा आयोजित की गई, जिसमें महज परिवार के सदस्य और चंद करीबी शामिल हुए थे।

राधिका मर्चेंट ने गणपति सेलिब्रेशन में क्लासिकल भक्तिमय भरतनाट्यम परफॉर्मेंस दी, जिसे पॉपुलर कोरियोग्राफर वैभवी मर्चेंट ने कोरियोग्राफ किया है। वैभवी ने सोशल मीडिया से राधिका का वीडियो पोस्ट किया।

विक्की-कटरीना, सिद्धार्थ-कियारा ने भी लिया आशीर्वाद

विक्की कौशल और कटरीना कैफ ने भी एंटीलिया में बप्पा का आशीर्वाद लिया और फूल अर्पित किए। नए पेरेंट्स बने सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी भी हाथ जोड़े बप्पा के दर्शन करते नजर आए।

सुप्रीम कोर्ट के 9 में से 7 जज खिलाफ, वोटरों की जानकारी यूएसपीएस को देने का था आदेश

ट्रम्प की डाक वोटिंग सख्त करने की कोशिश पर रोक

इनकार

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने डाक से वोटिंग के नियम सख्त करने के ट्रम्प के आदेश पर लगी रोक हटाने से इनकार किया। 7-2 के फैसले में कोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखा। मामला नवंबर में होने वाले मिडटर्म चुनाव से जुड़ा है।

ट्रम्प ने मार्च में डाक से वोटिंग में गड़बड़ी रोकने के लिए नए नियमों का आदेश दिया था। इसके तहत वे चाहते थे कि डाक से वोट भेजने वाले मतदाताओं की सूची राज्यों की ओर से अमेरिकी डाक सेवा (USPS) को दी जाए। निचली

अदालत ने इस आदेश पर रोक लगा दी थी। अमेरिका में 3 नवंबर 2026 को मिडटर्म चुनाव होंगे। इसमें कांग्रेस के दोनों सदनों हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट के लिए चुनाव होंगे। अभी अमेरिकी कांग्रेस में रिपब्लिकन पार्टी के पास डेमोक्रेटिक पार्टी से ज्यादा सीटें हैं, लेकिन दोनों के बीच सीटों का अंतर बहुत कम है।

अगर डेमोक्रेटिक पार्टी ज्यादा सीटें जीतकर बहुमत में आती है, तो वह ट्रम्प के फैसलों को

2020 के राष्ट्रपति चुनाव के बाद ट्रम्प ने डाक से वोटिंग पर सवाल उठाए थे। वह बिना सबूत यह दावा करते रहे कि चुनाव में गड़बड़ी हुई थी और उनसे जीत छीन ली गई। हालांकि, ट्रम्प खुद भी डाक से वोट डाल चुके हैं। इस साल फ्लोरिडा के रिपब्लिकन प्राइमरी में उन्होंने मेल से वोट किया था।

रोकने की कोशिश कर सकती है। साथ ही ट्रम्प सरकार के कामकाज की जांच भी कर सकती है। अमेरिका में डाक से वोट डालने की शुरुआत काफी पुरानी है। इसका इस्तेमाल पहले सैनिकों और चुनाव के दिन मतदान केंद्र तक नहीं पहुंच पाने वाले लोगों के लिए किया जाता था। समय के साथ कई राज्यों ने इसे आम मतदाताओं के लिए भी आसान बनाया। 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में डाक से वोटिंग का इस्तेमाल बहुत बढ़ गया। कोरोना महामारी के दौरान बड़ी

वोटर की पहचान नहीं मिली तो बैलेट रोकने का अधिकार मिलता

अगर कोई बैलेट नए नियमों के मुताबिक नहीं होता या वोटर का नाम तय सूची में नहीं मिलता, तो USPS उस बैलेट को रोक सकता था। डेमोक्रेटिक पार्टी की सरकार वाले राज्यों और वोटिंग अधिकारों के लिए काम करने वाले संगठनों ने इन नियमों का विरोध किया था। उनका कहना था कि इससे चुनाव के दौरान मतदाताओं की परेशानी बढ़ सकती है।

कोर्ट ने टाइमिंग पर उठाया सवाल

सुप्रीम कोर्ट के सामने सवाल सिर्फ यह नहीं था कि ट्रम्प की योजना सही है या गलत। बड़ी दिक्कत यह थी कि इसे लागू करने के लिए अब वक्त ही कितना बचा है। नवंबर के चुनाव में कुछ ही समय बाकी है और कई राज्यों में बैलेट भेजने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। जस्टिस ब्रेट कावानॉ ने कहा कि ट्रम्प की योजना को भविष्य के चुनावों में लागू किया जा सकता है। लेकिन नवंबर के चुनाव से ठीक पहले पूरी व्यवस्था बदलना मुश्किल होगा। चुनाव अधिकारियों को नई व्यवस्था तैयार करने, राज्यों में लागू करने और उसकी तैयारी पूरी करने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिलेगा।

अमेरिका के कैलिफोर्निया के लिवरमोर में एक वोटर अपना मेल बैलेट जमा करते हुए। (फोटो - NYT)

संख्या में लोगों ने घर से वोट डाला। इसके बाद डाक से मिले वोटों की सुरक्षा और गिनती को लेकर बहस तेज हुई। हालांकि, डाक से वोटिंग में कई सुरक्षा जांच होती हैं। मतदाता की पहचान और उसके वोट की पुष्टि के लिए अलग-अलग प्रक्रियाएं अपनाई जाती हैं।

66 साल पहले ब्रज भाषा से बना था मधुबाला का आइकॉनिक सॉन्ग

'स्वर कोकिला' ने गाया था ठेठ देहाती गीत

नई दिल्ली, एजेंसी

हिंदी सिनेमा की वेटरन एक्ट्रेस के तौर पर मधुबाला (Madhubala) को आज भी याद किया जाता है। अपनी बेबाक खूबसूरती और फिल्मों में कमाल की अदाकारी के लिए मधुबाला को जाना जाता था। सुनहरे एक्टिंग करियर के दौरान उन्होंने कई सफल मूवीज में काम किया और उनमें कई शानदार गीत भी शामिल रहे। मधुबाला के उनमें से एक कल्ट क्लासिक गाने का बारे में इस लेख में हम आपको बताने जा रहे, जो ब्रज भाषा की मदद से 66 साल पहले बना था। आइए जानते हैं कि वह आइकॉनिक सॉन्ग कौन सा है।

सिनेमा जगत के इतिहास में कई बार देखा गया है कि ग्रामीण और क्षेत्रीय भाषा की मदद से फिल्मों के गीत और संगीत को तैयार किया जाता है। ऐसा ही कमाल साल 1960 में रिलीज हुई अभिनेत्री

मधुबाला और अभिनेता दिलीप कुमार की कालजयी फिल्म मुगल-ए-आजम के एक गाने में देखने को मिला था, जिसके बोले थे- मोहे पनघट पे नंदलाल छेड़ गयो रे... (Mohe Panghat Pe Nandlal Chhed Gayo Re)।

मुगल-ए-आजम के इस गीत के लिरिक्स को सुनने और पढ़ने के बाद ये साफ जाहिर होता है कि इसे ब्रज भाषा की मदद से तैयार किया है। महान गीतकार शकील बदायूंनी की कलम द्वारा मधुबाला पर फिल्माए गए मोहे पनघट पे नंदलाल छेड़ गयो रे... गाने के लिरिक्स को लिखा गया था।

फास्ट न्यूज

20 साल से पत्नी को नशीली दवाएं देकर कर रहा था रेप

लंदन। यूनाइटेड किंगडम में रहने वाले एक व्यक्ति ने 20 से ज्यादा सालों तक अपनी पत्नी का रेप किया। वो इतने सालों तक अपनी पत्नी को नशीली दवा देता रहा और उसके साथ दुष्कर्म करता रहा। पीड़ित महिला की पहचान छिपाने के कानूनी अधिकार की रक्षा के लिए पति का नाम सामने नहीं लाया गया है। आरोपी ने 2004 से 2025 के बीच पत्नी का दुष्कर्म करने के साथ ही 60 अपराधों के लिए अपना जुर्म कबूल किया है।

गूगल रिसर्चर बोले- इंसानी नस्ल खत्म कर देगा एआई

नई दिल्ली। गूगल डीपमाइंड के एक पूर्व वैज्ञानिक बिलाल चुगताई ने चेतावनी दी है कि AI पूरी मानव जाति को खत्म कर सकती है। उन्होंने ये भी कहा कि इसे रोकने के लिए समय बहुत कम बचा है। उन्होंने इस्तीफा देने के बाद दुनिया को AI के इस छिपे खतरे से आगाह किया है। इससे पहले एंथ्रोपिक के रिसर्चर जैकब कॉक्सन ने भी इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर AI के खतरे को लेकर कहा था कि AI बनाने वाले डेवलपर्स खुद मानते हैं कि 2030 तक यह तकनीक इंसानों के लिए जानलेवा साबित हो सकती है।

चांदी 1,270 गिरकर 2.28 लाख किलो पर आई

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 15 सितंबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक एक किलो चांदी की कीमत 1,270 रुपए कम होकर करीब 2.28 लाख रुपए पर आ गई है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने के दाम 888 रुपए घटकर 1.51 लाख रुपए पर आ गए हैं। वहीं 15 दिन में चांदी 10 हजार और सोना 5 हजार सस्ता हुआ है।

ढाका यूनिवर्सिटी में जिन्ना की तस्वीरों पर बवाल

जमात के पूर्व चीफ गुलाम आजम की तस्वीर लगाई

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश की ढाका यूनिवर्सिटी में पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना की तस्वीरें लगाने को लेकर विवाद हो गया है। यूनिवर्सिटी के सेंट्रल स्टूडेंट्स यूनियन (DUCSU) के नए आर्काइव में जिन्ना की तीन तस्वीरें लगाई गई थीं। छात्रों ने इसका विरोध किया और एक तस्वीर फाड़ दी। इसके जवाब में छात्र फेडरेशन के एक नेता ने उसी जगह जमात-ए-इस्लामी के पूर्व प्रमुख गुलाम आजम की तस्वीर लगा दी। इसके बाद मामला और बढ़ गया।

DUCSU के नए सिरे से तैयार किए गए आर्काइव का उद्घाटन रविवार को हुआ था। यहां 1905 से 1971 तक ढाका यूनिवर्सिटी के इतिहास से जुड़ी सामग्री रखी गई है। आर्काइव में जिन्ना से जुड़ी

तीन तस्वीरें थीं। इनमें 1948 की एक तस्वीर भी शामिल थी। इसमें जिन्ना ढाका के तत्कालीन रेसकोर्स ग्राउंड में उर्दू को पाकिस्तान की एकमात्र राज्य भाषा बनाने की बात कह रहे थे। दूसरी तस्वीर 1940 में ऑल इंडिया मुस्लिम लीग के लाहौर अधिवेशन की थी। तीसरी 1970 के चुनाव से जुड़ी 'डॉन' अखबार की कटिंग थी। DUCSU सचिव फातिमा तसनीम जुमा ने कहा कि तस्वीरें जिन्ना के सम्मान में नहीं लगाई गई थीं। उनका कहना था कि आर्काइव में उस दौर की प्रमुख घटनाओं और उनसे जुड़े लोगों को दिखाया गया है।

9 महीने तक जोड़ीदार तलाशते रहे, अब तक की सबसे लंबी दूरी तय की

जंगली कुत्ते मादा की तलाश में चार हजार केएम घूमे

नई दिल्ली, एजेंसी

जाम्बिया के काफ्यू नेशनल पार्क से निकले तीन अफ्रीकी जंगली कुत्तों ने साथी और नया इलाका तलाशने के लिए करीब 4,126 किमी का सफर तय किया।

तीनों भाई 2025 के मध्य में अपने पुराने झुंड से अलग हुए और करीब 9 महीने तक अलग-अलग इलाकों में घूमते रहे। अप्रैल 2026 तक वे साउथ लुआंगवा और लोअर जाम्बेजी नेशनल पार्कों के बीच एक गेम मैनेजमेंट एरिया यानी आंशिक रूप से सुरक्षित वन्यजीव क्षेत्र तक पहुंच गए।

वैज्ञानिकों के मुताबिक, किसी अफ्रीकी स्तनधारी के इस तरह साथी की तलाश में इतनी लंबी दूरी तय

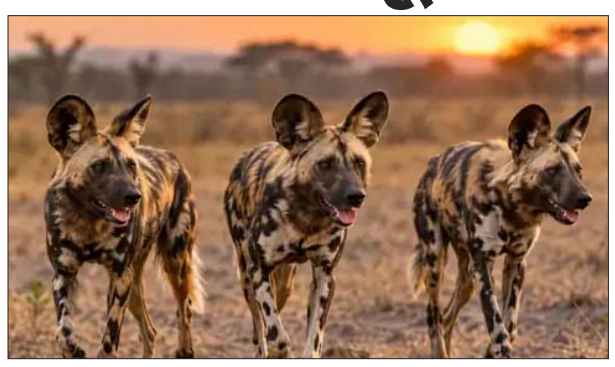

करने का यह अब तक का सबसे लंबा रिकॉर्ड है।

इन तीनों को 'मायुकुयुकु मेल्स' के नाम से पहचाना गया है। उनका सफर सीधा नहीं था। काफ्यू से निकलकर वे पहले पूर्व की ओर गए और किटवे और एनडोला जैसे औद्योगिक शहरों के आसपास पहुंचे।

यहां सड़कें, शहर और इंसानी गतिविधियां ज्यादा थीं, इसलिए उन्होंने रास्ता बदला और फिर लुआंगवा नदी घाटी की ओर बढ़े। आखिर में वे साउथ लुआंगवा और लोअर जाम्बेजी के बीच पहुंच गए।

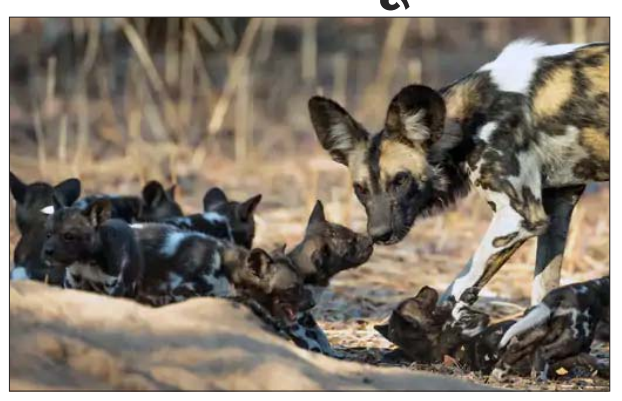

अफ्रीकी जंगली कुत्ते सामाजिक जानवर होते हैं। वे एक-दूसरे पर निर्भर रहकर और साथ मिलकर अपना जीवन जीते हैं। (सोर्स-NYT)

यानी नक्शे पर उनकी शुरुआती और आखिरी जगह के बीच दूरी भले करीब 420 किमी थी, लेकिन इंसानी इलाकों से बचते हुए उन्होंने करीब 2,564 मील यानी 4,126 किमी का घुमावदार रास्ता तय किया। यह दूरी काहिरा से केप टाउन के बीच की दूरी की करीब आधी है। अफ्रीकी जंगली कुत्ते झुंड में रहने वाले सामाजिक जानवर हैं। वे साथ मिलकर शिकार करते हैं और बच्चों की देखभाल भी करते हैं।

बड़े होने के बाद कई नर और मादा अपने जन्म वाले झुंड से अलग होकर नया इलाका और साथी तलाशते हैं। इसे डिस्पर्सल कहा जाता है। यह माइग्रेशन से अलग है।

माइग्रेशन में जानवर आमतौर पर मौसम, भोजन या रहने की जगह के हिसाब से एक इलाके से दूसरे इलाके जाते हैं और कई बार वापस भी लौटते हैं।

कौन से वेपन, कब भेजे गए अभी सीक्रेट, अंतरिक्ष में युद्ध का खतरा बढ़ा

अमेरिका ने पहली बार माना स्पेस में हथियार तैनात किए

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका ने पहली बार माना है कि उसने अंतरिक्ष में हथियार तैनात कर रखे हैं। अमेरिकी वायुसेना के सचिव ट्रॉय मिंक ने सोमवार इसकी जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि अमेरिका के पास ऑर्बिट में ऐसे हथियार हैं, जिनका इस्तेमाल जरूरत पड़ने पर अमेरिकी सैनिकों को दुश्मन के हमले से बचाने के लिए किया जा सकता है।

अमेरिकी अधिकारी ने यह नहीं कहा कि ये हथियार आखिर किस तरह के हैं, कितने हैं और इन्हें कब अंतरिक्ष में भेजा गया था।

अमेरिका का यह खुलासा ऐसे समय हुआ है, जब अमेरिका, रूस और चीन के बीच अंतरिक्ष में अपनी ताकत बढ़ाने की होड़ चल रही है।

इससे अंतरिक्ष में हथियारों की दौड़ और तेज होने की आशंका भी बढ़ गई है। विशेषज्ञों को डर है कि अमेरिका के इस खुलासे के बाद रूस और चीन भी अंतरिक्ष में अपनी सैन्य ताकत बढ़ा सकते हैं। वे अमेरिकी कदम को अपनी सुरक्षा के लिए खतरा बताकर नई तकनीक और हथियार विकसित करने की वजह बता सकते हैं। इस तरह एक देश की सैन्य तैयारी दूसरे देश को भी अपनी ताकत बढ़ाने के लिए प्रेरित कर सकती है। इससे अंतरिक्ष में हथियारों की होड़ और तेज होने का खतरा बढ़ सकता है।

अमेरिकी स्पेस फोर्स का कहना है कि रूस अंतरिक्ष को भी युद्ध का हिस्सा मानता है। यानी भविष्य में अगर रूस का किसी देश से बड़ा युद्ध होता है तो वह अंतरिक्ष में मौजूद सैटेलाइट और दूसरी

अमेरिका के खुलासे से उलटा नुकसान भी संभव

अमेरिका लंबे समय से रूस और चीन की बढ़ती अंतरिक्ष सैन्य ताकत को लेकर चिंता जताता रहा है। आज के युद्ध में सैटेलाइट बहुत जरूरी हो गए हैं।

सेनाएं इनका इस्तेमाल आपस में संपर्क करने, रास्ता पता करने, खुफिया जानकारी जुटाने और मिसाइलों पर नजर रखने जैसे कामों में करती हैं।

ऐसे में अगर किसी देश के सैटेलाइट पर हमला होता है तो उसकी सैन्य ताकत कमजोर हो सकती है। इसलिए बड़ी सैन्य ताकतें अब सिर्फ नए सैटेलाइट बनाने पर ही ध्यान नहीं दे रही हैं। वे अपने सैटेलाइट को दुश्मन के हमले से बचाने और जरूरत पड़ने पर दूसरे देश के अंतरिक्ष सिस्टम को रोकने की क्षमता भी विकसित कर रही हैं।

तकनीक का इस्तेमाल भी कर सकता है।

अमेरिकी अधिकारियों ने रूस के कुछ सैटेलाइट को लेकर भी चिंता जताई है। उनका कहना है कि रूस ऐसी तकनीक पर काम कर रहा है, जिससे जरूरत पड़ने पर दूसरे देशों के सैटेलाइट को नुकसान पहुंचाया जा सके और अपने सैटेलाइट को बचाया जा सके।

हूती विद्रोहियों की पसंदीदा गाड़ी बनी टोयोटा हिलक्स

सना, एजेंसी

यमन के लाल सागर तट पर पिछले हफ्ते हूती लड़ाकों का बड़ा काफिला नजर आया। इसमें बड़ी संख्या में टोयोटा हिलक्स पिकअप शामिल थीं। कई गाड़ियों पर मशीनगन और रॉकेट लॉन्चर लगे थे। आम तौर पर सामान ढोने और रोजमर्रा के काम में इस्तेमाल होने वाली ये गाड़ियां यहां युद्ध में इस्तेमाल होने वाले वाहनों की तरह नजर आ रही थीं।

हिलक्स का युद्ध में इस्तेमाल नया नहीं है। करीब 45 साल से यह गाड़ी दुनिया के अलग-अलग संघर्षों में विद्रोहियों और आतंकियों के बीच नजर आती रही है।

इसकी मजबूत बनावट, खराब रास्तों पर चलने की क्षमता और पीछे के खुले हिस्से में हथियार लगाने की सुविधा इसे ऐसे गुटों के लिए

इस पर मशीनगन-रॉकेट लॉन्चर लगाना आसान, 45 साल से दुनियाभर के आतंकियों की पहचान बनी

उपयोगी बनाती है। इराक में ISIS से लेकर यमन के हूतियों और अफ्रीका के अलग-अलग सशस्त्र गुटों तक, कई संगठनों ने टोयोटा की पिकअप का इस्तेमाल किया है। हिलक्स के लड़ाकों और आतंकी संगठनों के बीच इस्तेमाल की एक बड़ी वजह इसकी मजबूती और खराब रास्तों पर आसानी से चलने की क्षमता है।

यह गाड़ी ऐसे इलाकों में भी चल सकती है, जहां सामान्य गाड़ियों के लिए पहुंचना मुश्किल होता है। खासकर रेगिस्तान और ऊबड़-खाबड़ रास्तों में यह उपयोगी साबित होती है। बीबीसी के कार्यक्रम 'टॉप गियर' में भी हिलक्स की मजबूती को परखने के लिए एक प्रयोग किया गया था। इसमें गाड़ी को पेड़ से टकराया गया, कई घंटे समुद्र के पानी में डुबोया गया, ऊंचाई से गिराया गया और भारी वजन के नीचे दबाया गया। इसके अलावा उसे इमारत से टकराया गया और उसमें आग भी लगाई गई।

आबादी : ट्रम्प की सख्ती के बावजूद भारतीयों का यूएस में बसना जारी, कैलिफोर्निया में सबसे ज्यादा भारतवंशी

अमेरिका में 50 'मिनी इंडिया', पांच साल में 75 होंगे

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में भारतीयों की बस्तियां तेजी से बढ़ रही हैं। पिछले 20 साल में 50 से ज्यादा इलाकों में भारतीयों की बड़ी आबादी बस चुकी है। इन्हें 'मिनी इंडिया' कहा जा रहा है। अनुमान है कि अगले 5 साल में ऐसे इलाकों की संख्या 75 तक पहुंच सकती है।

ट्रम्प की वीजा और ग्रीन कार्ड पर सख्ती के बावजूद भारतीयों का अमेरिका जाना और वहां बसना जारी है। टेक, हेल्थकेयर और फार्मा जैसे सेक्टर में नौकरियों के मौके इसकी बड़ी वजह हैं। कैलिफोर्निया में सबसे ज्यादा करीब 9.3 लाख भारतवंशी रहते हैं। 'मिनी इंडिया' में रहने वाले भारतीय परिवारों की औसत सालाना आय करीब 1.54 करोड़ रुपए है। अमेरिकी परिवारों की औसत आय करीब 80 लाख रुपए है। अमेरिकन

अक्टूबर 2025 से ज्यादातर नॉन-इमिग्रेंट वीजा आवेदकों के लिए इंटरव्यू भी जरूरी कर दिया गया। पहले 14 साल से कम और 79 साल से ज्यादा उम्र के आवेदकों को मिलने वाली छूट भी हटा दी गई, हालांकि कुछ मामलों में छूट जारी है।

कम्युनिटी सर्वे और प्यू रिसर्च सेंटर रिपोर्ट के मुताबिक आने वाले वर्षों में यह अंतर और बढ़ सकता है। कैलिफोर्निया के डबलिन और सैन रेमन इलाके में भारतीय आबादी करीब 18% है। डबलिन के स्कूलों में 41% छात्र भारतीय मूल के हैं।

यहां भारतीय संस्कृति की झलक साफ दिखाई देती है। नई पीढ़ी दिवाली भी मनाती है और वीकेंड पर क्रिकेट भी खेलती है। भारतीय खाने की लोकप्रियता इतनी बढ़ गई है कि कई जगह ड्राइव-थ्रू भारतीय फूड आउटलेट भी खुल गए हैं।

विलियम का मानना है कि आईटी सेक्टर में भारतीयों की मजबूत मौजूदगी के कारण अमेरिका के दूसरे राज्यों में भी नए 'मिनी इंडिया' विकसित होंगे। भारतीय समुदाय अमेरिका की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान दे रहा है और किसी भी अन्य प्रवासी समुदाय की तुलना में उसकी भूमिका ज्यादा मजबूत दिखाई

कैलिफोर्निया में सबसे ज्यादा भारतवंशी

अमेरिका में सबसे ज्यादा भारतीय मूल के लोग कैलिफोर्निया में रहते हैं। दूसरे नंबर पर टेक्सास है, जहां करीब 5.4 लाख भारतवंशी रहते हैं।

टेक्सास का फ्रिस्को शहर 25 साल पहले तक ज्यादातर खेतों वाला इलाका था। आज यहां की आबादी 2.5 लाख से ज्यादा है। इनमें करीब 19% लोग भारतीय मूल के हैं।

आसपास के प्लेनो और एलन शहरों में भी भारतीय मंदिर, रेस्तरां और दुकानों की संख्या तेजी से बढ़ी है।

देती है। ट्रम्प सरकार ने H-1B वीजा की फीस बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है। इसके तहत हर वीजा पर 1,03,265 डॉलर (करीब 98 लाख रुपए) की अतिरिक्त फीस लगेगी।

इमरान खान की पूर्व पत्नी जेमिमा ने की दूसरी शादी

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और क्रिकेटर इमरान खान की पूर्व पत्नी जेमिमा गोल्डस्मिथ ने 52 साल की उम्र में दूसरी शादी कर ली है।

जेमिमा ने 62 साल के आयरिश-ऑस्ट्रेलियाई करोड़पति कैमरन ओ'राइली से शादी की है। दोनों की शादी इमरान खान से तलाक के 22 साल बाद हुई है। इमरान और जेमिमा का तलाक 2004 में हुआ था। हालांकि, जेमिमा और कैमरन ने खुद अपनी शादी की जानकारी सार्वजनिक नहीं की। जेमिमा की भाभी जेमिमा जोन्स ने इसकी जानकारी दी। जोन्स, जेमिमा के भाई बेन गोल्डस्मिथ की पत्नी हैं। उन्होंने 13 सितंबर को इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर की।

जेमिमा जोन्स ने अपने पति बेन गोल्डस्मिथ के साथ इंस्टाग्राम पर यह फोटो शेयर कर लिखा, ₹जेमिमा और कैमरन की शादी का जश्न

पूर्व पाक प्रधानमंत्री से तलाक के 22 साल बाद आयरिश-ऑस्ट्रेलियाई करोड़पति को पार्टनर बनाया

अपने पसंदीदा साथी के साथ मना रही हूं। कितना खुशी का दिन है!₹

जेमिमा जोन्स ने अपने पति बेन गोल्डस्मिथ के साथ इंस्टाग्राम पर यह फोटो शेयर कर लिखा, ₹जेमिमा और कैमरन की शादी का जश्न अपने पसंदीदा साथी के साथ मना रही हूं। कितना खुशी का दिन है!₹

जेमिमा ने 1995 में इमरान खान से की थी शादी

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676